RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:215 ता. 21 फरवरी 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अभी और टूटेगा उद्धव गुट? महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार के आसार, दिल्ली की 'हां' का इंतजार

शिंदे गुट के एक अन्य नेता का कहना है कि कुछ पार्टी विधायकों और निर्दलीय को मंत्री बनाया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा, संभावना है कि शिंदे गुट के विधायक कैबिनेट में शामिल किए जाएंगे।

मुंबई। भारत निर्वाचन आयोग के फैसले के बाद अब महाराष्ट्र में एक और बड़ी सियायी उठा पटक के आसार हैं। खबर है कि प्रदेश सरकार में कैबिनेट विस्तार हो सकता है। हालांकि, इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी या मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। हाल ही में चुनाव आयोग ने शिंदे गुट को शिवसेना के रूप में मान्यता दे दी है और तीर कमान का चिह्न भी सौंप दिया है।

महाराष्ट्र में 27 फरवरी से बजट सत्र की शुरुआत हो रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अटकलें हैं कि इससे पहले कैबिनेट विस्तार हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, शिंदे गुट के एक सूत्र ने कहा कि कैबिनेट विस्तार और विधायकों को पक्ष में लाने में उनकी मदद करेगा और यह संदेश भी देगा कि सीएम शिंदे के पास सरकार में नियंत्रण है।

हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा

कैबिनेट विस्तार के खास मूड में नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, शिंदे गुट के एक नेता ने कहा, कैबिनेट विस्तार लंबे समय से अटका हुआ है। शिवसेना के 40 विधायक हमारे साथ हैं और

महाराष्ट्र में 27 फरवरी से बजट सत्र की शुरुआत हो रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अटकलें हैं कि इससे पहले कैबिनेट विस्तार हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, शिंदे गुट के एक सूत्र ने कहा कि कैबिनेट विस्तार और विधायकों को पक्ष में लाने में उनकी मदद करेगा

जुलाई 2022 से ही 10 निर्दलीय विधायक हमारा समर्थन कर ररहे हैं। सीएम शिंदे के अलावा केवल 9 लोगों को मंत्री बनाया गया है। ऐसे में 32 लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं और 14 मंत्री पद का दावा पेश कर रहे हैं। किसी भी फैसले से पहले राज्य के वरिष्ठ नेताओं और दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं के बीच चर्चा होगी।

शिंदे गुट के एक अन्य नेता का कहना है कि कुछ पार्टी विधायकों और निर्दलीय को मंत्री बनाया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा, संभावना है कि शिंदे गुट के विधायक कैबिनेट में शामिल किए जाएंगे। अगर और विधायक और खासतौर से एमवीए सरकार में मंत्री रहे विधायक आना चाहते हैं और सीएम शिंदे को समर्थन चजाना चाहते हैं, तो भी कैबिनेट के दरवाजे खोलने होंगे। ऐसे में संभावनाएं हैं कि कैबिनेट विस्तार होगा।

हालांकि, उन्होंने यह भी बताया है कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से विचार विमर्श के बाद ही कैबिनेट विस्तार किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा, कैबिनेट विस्तार की संभावनाएं कम हैं, लेकिन अगर चर्चा होती है और दिल्ली से हरी झंडी मिलती है, तो ऐसा हो सकता है।

बागेश्वर वाले धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में 220 ईसाइयों की 'घर वापसी', विधि-विधान से दीक्षा के बाद बने हिन्दू

छतरपुर। इन दिनों अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने एक बार फिर अपने पुराने घर वापसी मिशन को तूल पकड़ा दी है। रविवार को धाम में आयोजित घर वापसी कार्यक्रम में धीरेंद्र शास्त्री ने 220 ईसाइयों को घर वापसी कराइ और उन्हें दीक्षा देकर फिर से हिन्दू धर्म में शामिल कराया। बीते दिनों भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने के बयान को लेकर वो चर्चा का विषय बने हुए हैं। ऐसे में 220 ईसाइयों की घर वापसी के जरिए अपने पुराने मिशन पर लौटने का संकेत भी दे रहे हैं। बागेश्वर धाम में आयोजित घर वापसी कार्यक्रम के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने लोगों को दीक्षा देने के बाद कहा कि धाम में भटककर ईसाई धर्म अपनाने वाले लोगों कि घर वापसी के द्वार हमेशा खुले हैं। ऐसे लोग जिनका जबरन या लालच देकर धर्मांतरण किया गया और अब वो वापस हिन्दू धर्म में लौटना चाह रहे हैं, घर वापसी अभियान में उन्हें दीक्षा दी जा रही है। अबतक हजारों लोगों की हिन्दू धर्म में घर वापसी कराई गई है। बता दें, बागेश्वर धाम और धीरेंद्र शास्त्री के फेमस होने की प्रमुख वजहों में घर वापसी अभियान भी शामिल है।

हिन्दू राष्ट्र के लिए महायज्ञ

बागेश्वर वाले धीरेंद्र शास्त्री ने बीते दिनों हिन्दू राष्ट्र की मांग की। अपने बयान के चलते सुर्खियों में आने के बाद शास्त्री ने भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए महायज्ञ का आयोजन किया। घर वापसी और यज्ञ के जरिए धीरेंद्र शास्त्री लगातार चर्चा में बने हुए हैं। ईसाइयों की हिन्दू धर्म में वापसी के जरिए शास्त्री अपने दावे को मजबूती देने का काम भी कर रहे हैं।

सामूहिक विवाह का आयोजन

शनिवार को धाम में 121 कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में गरीब बेटियों को उपहार देकर उनकी शादी कराई गई।

अचानक बढ़ी गर्मी, संकट में गेहूं की फसल; किसानों की नींद उड़ी

लखनऊ। देश के अन्य हिस्सों की ही तरह उत्तर प्रदेश में भी फरवरी में ही मार्च का मौसम अब राज्य के किसानों की परेशानी का खास सबब बनता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में दिन और रात का तापमान सामान्य से अधिक रिकार्ड किया जा रहा है। गेहूं बोने वाले किसानों की नींद उड़ी हुई है। आशंका है कि गेहूं का उत्पादन पहले से गिर जाए। बालियों में दाना कमजोर पड़ रहा प्रदेश के उप कृषि निदेशक सेवानिवृत्त डॉ. सीपी श्रीवास्तव के अनुसार यह समय गेहूं की फसल में बालियां बनने का है। अगर अगले 10 दिनों तक दिन व रात के तापमान में ऐसे ही बढ़ोत्तरी जा रही तो फिर बालियों में दाना कमजोर बनेगा। फसल की तैयारी का अगला पड़ाव दुग्धावस्था का है, अगर दाना कमजोर हुआ तो उसमें दूध कम पड़ेगा और फिर गेहूं का दाना हल्का ही रह जाएगा। डा. श्रीवास्तव ने किसानों को सलाह दी है कि वह फसल की लगातार निगरानी करें।

फसलों की जरूरत के मुताबिक नहीं पड़ी सर्दी

किसानों का मानना है कि अगर इसी तरह धूप तेज होने के साथ गर्मी बढ़ती रही तो निश्चित तौर पर फसलों पर असर पडेगा। तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी होने से दाना पतला हो जाएगा। जिससे सीधे तौर पर उत्पादन में कमी आ सकती है। फसलों की जरूरत के मुताबिक इस वर्ष अधिक समय तक सर्दी नहीं पड़ी। ऐसे में हालात यह है कि फरवरी माह में गर्मी मार्च का एहसास करा रही है। सुबह हल्की सर्दी होने के साथ तेज धूप निकलने पर गर्मी का असर पूरे दिन बना रहता है। वहीं शाम से एक बार फिर हल्की सर्दी शुरू हो जाती है।

सुबह शाम सर्दी और पूरे दिन गर्मी पड़ने से किसानों की खेतों पर लहलहा रही फसलों के उत्पादन पर इसका असर पड़ सकता है। क्योकि दिन में गर्मी के हालात झुलसाने जैसे है। वहीं रात में सर्दी का असर बढ़ जाता है। मौजदा समय में सभी फसलों पर दाना पड़ रहा है।

कांग्रेस के अधिवेशन से पहले कई नेताओं के घर ईडी का छापा, कोयला घोटाले में ऐक्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाले को लेकर एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ऐक्शन में है। ईडी ने सोमवार सुबह 14 जगहों पर छापेमारी शुरू की है। कई कांग्रेस नेताओं के आवास और दफ्तरों पर भी छापेमारी की जा रही है। इससे पहले 13 जनवरी को ईडी ने रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के कई शहरों में छापेमारी की थी।

तब कई आईएएस, नेताओं और कारोबारियों के घर पर छापेमारी की गई थी। आरोप है कि वरिष्ठ नौकरशाहों, व्यापारियों, राजनेताओं और बिचौलियों की मिलीभगत से राज्य में प्रति टन कोयले की ढुलाई पर 25 रुपये प्रति टन अवैध उगाही की जा रही थी। ईडी सूत्रों का कहना है कि 2021 में इस तरह करीब 500 करोड़ रुपए की वसूली की गई। इसमें कांग्रेस के कई नेताओं के भी शामिल होने के आरोप हैं। इससे पहले अक्टूबर 2022 में भी करीब 40 ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी। तब 4 करोड़ कैश, करोड़ों के सामान,

● वरिष्ठ नौकरशाहों, व्यापारियों, राजनेताओं और बिचौलियों की मिलीभगत से राज्य में प्रति टन कोयले की ढुलाई पर 25 रुपये प्रति टन अवैध उगाही की जा रही थी।

अहम दस्तावेज आदि बरामद किए गए थे। इस दौरान भी कई नेताओं, कारोबारियों और अफसरों के ठिकानों की तलाशी ली गई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आरोपों से इनकार करते हुए कहते रहे हैं कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उनका कहना है कि इस साल के अंत में होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय जांच एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है।

दुर्दांत अपराधी साहब सिंह पुलिस मुठभेड़ में ढेर

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत एक मुठभेड़ में एक लाख रूपये के इनामी राशि वाले कुख्यात डकैत साहब सिंह को मार गिराया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने सोमवार को बताया कि बीती रात गुलावठी पुलिस और गौतमबुद्ध नगर एसटीएस के संयुक्त अभियान में एक अपराधी से मुठभेड़ हुई जिसमें वह मारा गया। मारे गये बदमाश की शिनाख्त साहब सिंह बाबरिया के नाम से

हुई है। उन्होने बताया कि मारा गया बदमाश डकैत गिरोह का सरगना था। डकैती के दौरान इसने दो नवजात समेत पांच लोगों की निर्मम हत्या की थी। गोंडा पुलिस ने इस पर एक लाख का इनाम घोषित किया हुआ है।

इसके अलावा बुलंदशहर के एक मुकदमे में भी यह वांछित था और इस पर 25 हजार रूपये का ईनाम घोषित है। मारे गये डकैत पर विभिन्न जनपदों मे डकैती और हत्या के एक दर्जन से ऊपर मुकदमे दर्ज है।

मोरबी हादसे पर खुलासा-

22 तार पहले टूट गए होंगे, SIT बोली- इसकी वजह जंग थी; लोगों की संख्या बढ़ी तो बाकी 27 तार टूट गए

मोरबी। मोरबी ब्रिज हादसे में गुजरात सरकार की पांच सदस्यों वाली SIT ने प्राइमरी रिपोर्ट सब्मिट कर दी है। इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि पुल की 49 केबल में से 22 में जंग लग चुकी थी। SIT का मानना है कि ये 22 तार पहले ही टूट चुके होंगे। जब पुल पर लोगों की तादाद बढ़ी तो बाकी 27 तार वजन नहीं उठा पाए और टूट गए। मोरबी हादसा 30 अक्टूबर 2022 को हुआ था। इसमें 135 लोगों की मौत हो गई थी। SIT में IAS राजकुमार बेनीवाल, IPS सुभाष त्रिवेदी, राज्य सड़क और भवन विभाग के सेक्रेटरी, एक इंजीनियर और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के एक प्रोफेसर सदस्य थे।

1. पुराने सस्पेंडर्स पर नई वेल्डिंग- रेनोवेशन के दौरान ब्रिज की केबल को पुराने सस्पेंडर्स (स्टील की छड़ें जो केबल को प्लेटफॉर्म डेक से जोड़ती हैं) को नए के साथ वेल्डिंग करके जोड़ा गया था। जिससे सस्पेंडर्स का व्यवहार बदल गया। आम तौर पर केबल ब्रिज में भार वहन करने के लिए सिंगल रॉड सस्पेंडर्स का इस्तेमाल होने चाहिए।

2. एक केबल में लगे 49 स्टील के तार-मच्छू नदी पर 1887 में बने पुल की दो मेन केबल में से एक केबल में जंग लगी थी। यानी 22 तार हादसे से पहले ही टूटे गए होंगे। एक केबल को 7 वायर से बनाया गया था, जो स्टील के थे। हादसे के दौरान नदी के ऊपर के तरफ मेन केबल टूट गई।

3. हादसे के वक्त टूटे 27 केबल- रिपोर्ट में कहा गया है कि 49 में से 22 केबल में जंग लग चुकी थी। यानी ये घटना से पहले ही टूट चुके थे। बाकी के 27 तार घटना के समय टूटे। हादसे के समय पुल पर लगभग 300 लोग थे। जो पुल की भार वहन क्षमता से बहुत ज्यादा थे। इसकी वास्तविक क्षमता की पुष्टि लैब रिपोर्ट से होगी।

4. लकड़ी के तख्ते हटाकर एल्युमिनियम डेक लगाने से नुकसान- रिपोर्ट में लिखा है कि अलग-अलग लकड़ी के तख्तों को एल्यूमीनियम डेक से बदलना भी हादसे का एक कारण है। ब्रिज पर लचीले लकड़ी के तख्तों की जगह कठोर एल्यूमीनियम पैनल से बनी थी। इससे पुल का अपना वजन भी बढ़ गया था।

5. ओपनिंग से पहले वेट टेस्टिंग नहीं हुई - मार्च 2022 में पुल को रेनोवेशन के लिए बंद किया था और 26 अक्टूबर को खोल दिया था। मोरबी ब्रिज खोलने से पहले कोई वेट टेस्टिंग या स्ट्रक्चर टेस्टिंग नहीं हुई थी।

केदारनाथ-बदरीनाथ सहित चारों धामों में श्रद्धालुओं का कोटा बढ़ा

देहरादून। पर्यटन विभाग ने इस बार केदारनाथ, बदरीनाथ सहित चारों धामों में दर्शन के लिए प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा कर दिया है। पिछली बार चारधाम यात्रा में रिकार्ड श्रद्धालुओं के पहुंचने से विभाग ने यह फैसला लिया है। पर्यटन विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इस प्रस्ताव पर 21 फरवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में फैसला लिया जाएगा।

अभी दो धामों के लिए पंजीकरण पर्यटन विभाग ने बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के लिए ही 21 फरवरी से आनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू का फैसला लिया है। लेकिन अभी केदारनाथ के लिए प्रतिदिन नौ हजार और बदरीनाथ के लिए 10 हजार श्रद्धालु ही प्रतिदिन पंजीकरण करा सकेंगे। पहले नवरात्र को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने का समय तय होते ही चारों धामों के लिए पूरी संख्या में पंजीकरण शुरू हो जाएंगे।

नवरात्र में तय होगा गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने का समय- श्री पांच मंदिर समिति गंगोत्री धाम के संयुक्त सचिव राजेश सेमवाल ने बताया कि दोनों धामों के कपाट अक्षय तृतीया के दिन खुलते हैं। धाम किस समय खुलेंगे, ये पहले नवरात्र को तय होगा। कई बार अक्षय तृतीया का समय दोपहर 12 बजे के बाद एक, दो बजे के बाद होने पर कपाट अगले दिन सुबह भी खुलते हैं।

चार तरीकों से होगा पंजीकरण- यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को चार तरीके से पंजीकरण का विकल्प मिलेगा। वेबसाइट reg-

istration andtouristcare.uk.gov.in पर पंजीकरण करा सकेंगे। व्हाट्सअप नंबर 8394833833 पर पंजीकरण का विकल्प रहेगा। इसके साथ ही टोल फ्री नंबर 01351364 के साथ मोबाइल फोन की एप touristcare uttarakhand को डाउनलोड कर भी पंजीकरण कराया जा सकेगा।

केदारनाथ धाम हेलीसेवा के लिए टेंडर मांगे- उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (उकाडा) ने केदारनाथ हेलीसेवा संचालित करने के लिए 28 फरवरी तक ऑनलाइन टेंडर मांगे हैं। प्राधिकरण ने इस बार किराए में बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया है, बढ़ा हुआ किराया अगले तीन साल साल तक प्रभावी रहेगा। टेंडर की शर्तों के मुताबिक, यात्रा सीजन के दौरान केदारनाथ के लिए गुप्तकाशी से दो, फाटा से चार और सिरसी से तीन हेलीपैड के जरिए हेलीसेवा संचालित की जाएगी।

दर्शन करने की श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा

बदरीनाथ धाम में प्रतिदिन दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 15 हजार से बढ़ाकर 18000 कर दी गई है, 15000 श्रद्धालु अब रोज केदारनाथ धाम में दर्शन कर सकेंगे, पहले 12 हजार तक श्रद्धालुओं की संख्या सीमित थी। गंगोत्री धाम में प्रतिदिन दर्शन करने की संख्या 7 हजार से बढ़ाकर अब 9000 प्रतिदिन कर दी गई है, जबकि 5500 श्रद्धालु रोज यमुनोत्री धाम में दर्शन कर सकेंगे, इससे पहले यह संख्या महज चार हजार थी।

चारधाम यात्रा में इस बार श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है। धामों की वहन क्षमता को देखते हुए ही संख्या तय की जा रही है। 21 फरवरी को सीएम की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में संख्या पूरी तरह फाइनल कर दी जाएगी।

सभी धर्मों में लड़कियों की शादी की उम्र लड़कों के समान करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली ।सभी धर्मों में लड़कियों की शादी की उम्र लड़कों के समान करने की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया है। मामले को खारिज करते समय सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ी टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि संविधान के रक्षक के तौर पर देश के सुप्रीम कोर्ट के पास कोई विशेष अधिकार नहीं है। संविधान की रक्षा के लिए संसद के पास भी उतना ही अधिकार है। संसद के पास अधिकार है कि वहां किसी भी कानून में संशोधन कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में किसी तरह का निर्देश देने से साफ इनकार कर दिया। सभी धर्मों में लड़कियों की शादी की उम्र लड़कों के बराबर 21 साल करने की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर कहा कि ये कानून में संशोधन करने का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में याचिका दायर करने वाले बीजेपी नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय से कहा कि 'ये कोई राजनीतिक मंच नहीं है। हमें ये मत सिखाइये कि संविधान के रक्षक के तौर पर हमें क्या करना चाहिए?' दिल्ली हाईकोर्ट में लड़के और लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र एक बराबर करने के लिए पहले एक याचिका दायर की गई थी। इसके बाद में हाई कोर्ट ने इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट के पास भेज दिया।

चुनाव में शराब परोसे जाने के डर से महिला संगठन ने बनाई 10 जांच चौकियां

कोहिमा ।नगालैंड भले ही शुष्क (मद्य निषिद्ध) प्रदेश है, लेकिन 27 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के वास्ते चुनाव प्रचार के दौरान जिले फेक में एक महिला संगठन ने मतदाताओं को प्रलोभन के तौर शराब परोसने की आशंका से उसकी आवक पर रोक लगाने के लिए जांच चौकियां बनाई गई हैं। फेक में चाखेसांग और पोचुरी जनजातियों का बाहुल्य है और यहां पांच विधानसभा क्षेत्र हैं। चाखेसांग में चार निर्वाचन क्षेत्र हैं तथा उसमें पोचुरी जनजाति की मेलूरी विधानसभा के कुछ गांव भी हैं। फेक जिले में चाखेसांग समुदाय की महिलाओं के शीर्ष निकाय चाखेसांग मदस्र एसोसिएशन (सीएमए) की अध्यक्ष झोनेलू तुन्यी ने बताया कि शराब के दुष्प्रभावों से चिंतित तथा विधानसभा चुनाव के दौरान प्रलोभन के तौर पर शराब बांटे जाने की आशंका के मद्देनजर चाखेसांग नगा जनजाति की महिलाओं के संगठन ने अपने क्षेत्र में करीब 100 ऐसी चौकियां स्थापित की हैं।उन्होंने कहा, चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिये शराब की आवक बहुत बढ़ जाती है, कई लोग उम्मीदवारों के समर्थन में आपस में लड़ने-झगड़ने लगते हैं और उनके बीच दुश्मनी पैदा हो जाती है, यहां तक की इस हिंसा में उनकी जान भी जाती है।''उन्होंने कहा , इसलिए हमारा मुख्य इरादा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं प्रलोभन मुक्त चुनाव सुनिश्चित करना है।

धीरेंद्र शास्त्री ने 220 ईसाइयों की हिन्दु धर्म में वापसी करवा दीक्षा दी

छतरपुर ।इन दिनों अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने फिर अपने पुराने घर वापसी मिशन को तूल पकड़ा दी है। रविवार को घर वापसी कार्यक्रम में धीरेंद्र शास्त्री ने 220 ईसाइयों को घर वापसी करावा उन्हें दीक्षा देकर फिर से हिन्दू धर्म में शामिल कराया। बीते दिनों भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने के बयान को लेकर वहां चर्चा का विषय बने हुए हैं।इसके बाद 220 ईसाइयों की घर वापसी के जरिए अपने पुराने मिशन पर लौटने का संकेत भी दे रहे हैं। शास्त्री ने लोगों को दीक्षा देने के बाद कहा कि धाम में भटककर ईसाई धर्म अपनाने वाले लोगों कि घर वापसी के द्वार हमेशा खुले हैं।इसतरह के लोग जिनका जबरन या लालच देकर धर्मांतरण हुआ और अब वहां वापस हिन्दू धर्म में लौटना चाह रहे हैं, घर वापसी अभियान में उन्हें दीक्षा दी जा रही है। अबतक हजारों लोगों की हिन्दू धर्म में घर वापसी हुई है।बता दें, धीरेंद्र शास्त्री के मशहूर होने की प्रमुख वजहों में घर वापसी अभियान भी शामिल है।ईसाइयों की हिन्दू धर्म में वापसी के जरिए शास्त्री अपने दावे को मजबूती देने का काम भी कर रहे हैं। धाम में 121 कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में गरीब बेटियों को उपहार देकर उनकी शादी कराई गई।

वेदांता की योजना का मोदी सरकार ने विरोध किया

नई दिल्ली । हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) को अपनी वैश्विक जस्ता संपत्तियां बेचने की वेदांता की योजना का सरकार ने विरोध किया है। मोदी सरकार ने इस सौदे से जुड़े मामलों में सभी कानूनी विकल्पों की तलाश की बात कही है। मोदी सरकार ने वेदांता की इकाई एचजेडएल से इन संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए दूसरे नकदी रहित तरीकों का पता लगाने को भी कहा है। खान मंत्रालय ने 17 फरवरी को एचजेडएल को लिखे पत्र में कहा, ''हमें भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए गए नामित निदेशकों से पता चला है कि 19 जनवरी, 2023 को हुई कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में पूर्व स्वामित्व वाली उसकी विदेशी अनुषंगी कंपनी के गठन को मंजूरी दी गई। ऐसी अनुषंगी इकाई को 298.1 करोड़ डॉलर की सीमा तक वित्तपोषण दिया जाएगा और सहायक कंपनी टीएचएल जिंक वेंचर्स लिमिटेड (वेदांत समूह की एक इकाई) से टीएसएल जिंक लिमिटेड के शेयरों का अधिग्रहण करेगी।'' पत्र में बताया गया कि हम आपके ध्यान में लाना चाहते हैं, कि भारत सरकार इस तरह के किसी भी प्रस्ताव का विरोध करेगी और इस संबंध में उपलब्ध हर कानूनी रास्ते को तलाशेगी। पत्र में मंत्रालय ने कंपनी से इन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए दूसरे नकदी रहित तरीकों का पता लगाने को कहा है। हिंदुस्तान जिंक में सरकार की 29.54 हिस्सेदारी है।

शिक्षक भर्ती घोटाले में नकदी और सोने सहित कुल 111 करोड़ रुपये की रिकवरी

कोलकाता ।पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के शिक्षक भर्ती घोटाले में अब तक जब्त नकदी और सोने के साथ-साथ बैंक खातों और संपत्तियों की कुल रिकवरी लगभग 111 करोड़ रुपये हुई है।सूत्रों ने कहा कि यह जब्त और फ्रीज हुए खाते केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मामले में समानांतर जांच के संयुक्त आंकड़े हैं।हालांकि नकदी और सोने की बरामदगी के मामले में ईडी अपनी साथी केंद्रीय जांच एजेंसी से काफी आगे है। इस गिनती पर अधिकतम नकदी और सोने की रिकवरी पिछले साल जुलाई में बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता के दो आवासों से हुई थी, जहां कुल रिकवरी लगभग 33 करोड़ रुपये थी। ये दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।इस बीच, सीबीआई और ईडी घोटाले में मुख्य एजेंट नेटवर्क पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसमें से कुछ जैसे कुंतल घोष, प्रसन्ना रॉय और चंदन मंडल पहले से ही या तो न्यायिक या केंद्रीय एजेंसी की हिरासत में हैं।

चुनाव के समय में ही देश में जाति-धर्म के जुड़े बयान नेताओं द्वारा दिए जाते

लखनऊ ।संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जातिवाद और धर्म भेदभाव पर बयान दिया था। लेकिन सवाल उठता है कि जब कोई दूसरे धर्म का आस्था के साथ मंदिर जाता है और जलाभिषेक करता है और महाशिवरात्रि पर भंडारा कराता, तब क्या उसका विरोध करना सही है या फिर लोकसभा चुनाव को देखकर इसतरह के बयान देना सही है। ताजा मामला लखनऊ के बुद्धेश्वर से सामने आया है। जहां सपा विधायक अरमान खान ने बुद्धेश्वर में महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक किया था। इस पर अब राजनीति शुरू हो गई है। हिंदू संगठनों ने इसका विरोध किया है।

महाशिवरात्रि पर लखनऊ पश्चिम विधानसभा सीट से सपा विधायक अरमान खान ने भंडारे का आयोजन किया और बुद्धेश्वर में जलाभिषेक किया। इसकी जानकारी हिंदू संगठनों को हुई, तब उन्होंने इसका विरोध करते हुए मंदिर गर्भगृह का गंगाजल से शुद्धीकरण किया।

ये देखा गया है कि चुनाव के समय ही इसतरह मुद्दे उठाए जाते हैं, जिसमें जाति-धर्म का नशा हो। चुनाव खत्म होते ही ये मुद्दे खत्म हो जाते हैं। वहीं, आम लोगों को दो जून की रोटी और रोजगार से मतलब होता है। मोहन भागवत, अखिलेश यादव और स्वामी प्रसाद मौर्य जो जाति और धर्म की बात करते हैं, तब इन्हें याद रहे कि कोरोना ने ऐसी तस्वीर दिखा दी कि जिसमें ये सब ध्वस्त हो गए थे। कोरोना लॉकडाउन में लोगों ने ये नहीं देखा कि मदद करने वाली की जाति क्या है और धर्म क्या है। अब सवाल उठता है कि चुनाव के समय ही इन नेताओं को जाति-धर्म याद आता है।

कर्नाटकः हुंकार भरते हुए नड्डा ने कहा

भाजपा का नेता ही कह सकता है, 'जो कहा था, वो किया है' और 'जो कहेंगे, वो करेंगे'

बेंगलुरु (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज कहा कि हमारी पार्टी का नेता ही कह सकता है कि जो भी वादा किया गया था, उसे हमने पूरा किया है और आगे जो भी कहेंगे, उसे पूरा करेंगे। दरअसल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज उडुपी में थे। एक संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि यह सिर्फ भाजपा का नेता ही हो सकता है जो दृढ़ता से कह सकता है, 'जो कहा था, वो किया है' (हमने जो वादा किया था) और 'जो कहेंगे, वो करेंगे' हम जो वादा करते हैं उसे पूरा करेंगे, हमारी पार्टी में इतनी ताकत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस मौसम की चिलचिलाती गर्मी में विशाल जनसमूह लोगों के निर्णय को दर्शाता है; हमारी जीत पक्की है। आपको बता दें कि इस साल राज्य में विधानसभा के चुनाव होने है। भाजपा सत्ता में है।

नड्डा ने कहा कि उडुपी भारतीय जनता पार्टी के लिए एक विशेष स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि 1968 में पहली बार म्युनिसिपल काउंसिल में हमने अपना झंडा उडुपी की धरती से ही लहराया था। इसलिए उडुपी को मैं गेटवे फॉर भारतीय जनता पार्टी मानता हूं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी के मजबूत नेतृत्व में हमारे देशवासियों को कोविड के खिलाफ डबल डोज, बूस्टर डोज दिए जा रहे हैं। उनकी दृष्टि और मिशन के कारण ही हम सब यहां बिना मास्क पहने खुशी से खड़े हैं। उन्होंने हमें 'सुरक्षा कवच' दिया है। उन्होंने कहा कि शशि थरूर जैसे कुछ नेता कोविड वैक्सीन पर सवाल उठाकर लोगों को गुमराह करते थे। वे गलत सूचना फैलाते थे और विडंबना यह है कि वे स्वयं इस महान टीकाकरण अभियान के लाभार्थी हैं। उन्होंने कहा कि वे इसे 'मोदी टीका' कहते थे, और अब 'मोदी टीका' के साथ खुश और स्वस्थ रह रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस बार के कर्नाटक के यूनियन बजट में पिछले साल के मुकाबले 5 हजार करोड़ रुपए ज्यादा दिए गए हैं। इसी तरह अपर भद्रा प्रोजेक्ट को नेशनल प्रोजेक्ट बनाने के लिए एलॉटमेंट किया गया है। वहीं फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट में कर्नाटक नंबर वन पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में मोदी जी जितना महान कोई प्रधानमंत्री नहीं हुआ। उन्होंने वहां से 22,500 छात्रों को वापस भारत लाने के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध को रोक दिया। उनमें से कई कर्नाटक के थे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विकास के मामले में हमारी सरकार ने कर्नाटक को आगे बढ़ाने का काम किया है। चाहे किसान

की बात हो, महिला सशक्तिकरण की बात हो, दलितों या जनजातीय भाई-बहनों की बात हो, चाहे युवाओं की बात हो, हमने हर वर्ग के लिए काम काम किया है।

ईडी की कार्रवाई से कांग्रेस डरने वाली नहीं, पूर्ण अधिवेशन होकर रहेगा : जयराम

-पसंदीदा उद्योगपति अडानी के खिलाफ जांच क्यों नहीं कर रहे

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर केंद्र पर निशाना साधकर कहा कि यह प्रतिशोध एवं उत्पीड़न की राजनीति है जिसके सामने वह झुकने वाली नहीं है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'पसंदीदा उद्योगपति गौतम अडाणी की जांच क्यों नहीं की जा रही है, जबकि उनके 'गैरकानूनी कारनामे रोजाना सामने आ रहे हैं? उन्होंने कहा कि यह प्रतिशोध और उत्पीड़न की राजनीति है। हमारे अधिवेशन से तीन दिन पहले कई साथियों के छापे मारे गए हैं। इस धमकी की राजनीति से हम झुकने वाले नहीं हैं। रमेश ने कहा कि कांग्रेस का पूर्ण अधिवेशन होकर रहेगा। यह कार्रवाई हमारे लिए बूस्टर डोज है। हम डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने अडाणी समूह से जुड़े मामले का हवाला देकर सवाल किया कि हमारे देश का सबसे बड़ा घोटाला है जिससे प्रधानमंत्री खुद जुड़े हैं। रमेश का कहना था कि हम 'भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से जो परिवर्तन लाए हैं, वहां बरकरार रहेगा।

उन्होंने कहा कि यह अमृतकाल नहीं, अघोषित आपातकाल है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दावा किया कि 2014 के बाद से ईडी छापे की जितनी कार्रवाई हुई है, उसमें से 95 प्रतिशत कार्रवाई विपक्षी दलों एवं उनके नेताओं को निशाना बनाकर की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के लिए ईडी का मतलब 'एलिमिनेटिंग डेमोक्रेसी (लोकतंत्र खत्म करना) है। खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से घबराए हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री जी, आप अपने परम मित्र पर जांच क्यों नहीं करवाते हैं? हिमंत विश्व शर्मा, बीएस येदियुरप्पा और कुछ अन्य नेताओं के खिलाफ जांच क्यों नहीं की गई? खेड़ा ने कहा कि कई राज्यों में हमारी सरकारें हैं। 2024 आ रहा है, मौसम बदलता है। इसके बाद हम कहना चाहते हैं कि हमारी शराफत को हमारा गहना मानो, हमारी कमजोरी मत मानो।

उल्लेखनीय है कि ईडी ने कोयला लेवी धनशोधन मामले में जारी जांच के तहत सोमवार को कांग्रेस नेताओं से जुड़े परिसरों सहित छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह छापेमारी राज्य की राजधानी रायपुर में 24-26 फरवरी तक कांग्रेस के तीन दिवसीय पूर्ण अधिवेशन से पहले हुई है। राज्य में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार है।

उपेंद्र ने नीतिश से नाता तोड़, राष्ट्रीय लोक जनता दल नाम की पार्टी का गठन किया

-जननायक कर्पूरी ठाकुर की विरासत को आगे बढ़ने का वादा किया

पटना (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने जनता दल यूनाइटेड से नाता तोड़ कर नई पार्टी बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नई पार्टी का नाम राष्ट्रीय लोक जनता दल होगा जो जननायक कर्पूरी ठाकुर की विरासत को आगे बढ़ाने का काम होगा। कुशवाहा इस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष है। कुशवाहा ने जदयू से नाराज लोगों की दो दिवसीय बैठक के अंतिम दिन संबोधित कर इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर की विरासत को संभालने के लिए पहले जनता ने लालू प्रसाद को जिम्मेदारी दी थी, लेकिन उन्होंने इस विरासत को जब धूमिल करना प्रारंभ किया, तब इसकी जिम्मेदारी नीतीश कुमार के पास आ गई।

उन्होंने कहा कि नीतीश ने उनकी विरासत को उसी के हाथों में गिरवी रख दिया, जिनसे बचाकर जनता ने उन्हें इसकी जिम्मेदारी दी थी। उन्होंने हालांकि कहा कि नीतीश ने उस विरासत को आगे ले चलने का अच्छा काम किया था, लेकिन अंत में वे असफल हो गए। अब जब अंत बुरा तब सब बुरा। कुशावाह ने कहा कि नीतीश ने खुद इस विरासत को संभालने के लिए अब तक उतराधिकारी नहीं बनाया और अब वे पड़ोसी के घर उत्तराधिकारी खोज रहे हैं। कुशवाहा ने कहा कि इसकारण है कि पार्टी के लोगों ने अब निर्णय लिया है कि जननायक के विरासत को संभालने की जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। उन्होंने कहा कि अब नीतीश कुमार से हिस्सेदारी की बात नहीं है, क्योंकि उनके पास अब कुछ है ही नहीं।

कांग्रेस ने अब किया पीएम मोदी के पिता का अपमान, बीजेपी ने दिया ये रिएक्शन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। अडानी विवाद मामले में कांग्रेस मोदी सरकार के खिलाफ लगातार हमलावर है। अब कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने अडानी मुद्दे को लेकर पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी की है। अडानी-हिंडनबर्ग विवाद की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की विपक्ष की मांग के बारे में बोलते हुए एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता का मजाक उड़ाया। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने अडानी-हिंडनबर्ग विवाद पर चुटकी लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता का मज़ाक उड़ाया और उन्हें 'नरेंद्र गौतम दास मोदी' कहा।

उन्होंने कहा, 'नरेंद्र गौतम दास मोदी को क्या समस्या है?' उन्होंने कहा, 'क्या यह गौतम दास या दामोदर दास है?' वह फिर हंसते हुए कहते नजर आते हैं कि भले ही नाम दामोदर दास है, लेकिन उनके कार्य गौतम दास के समान हैं। पीएम मोदी के पिता का नाम दामोदरदास मूलचंद मोदी है। हालाँकि, खेरा ने नरेंद्र ÷गौतम दास÷ मोदी के साथ आने के लिए इसे गौतम अडानी के साथ जोड़ दिया।

बीजेपी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

पवन खेड़ा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अमित मालवीय ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस पार्टी ने पीएम मोदी और उनके परिवार को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा, 'वे अभी भी यह स्वीकार नहीं कर पाए हैं कि एक विनम्र पृष्ठभूमि का कोई व्यक्ति इतना लोकप्रिय नेता बन गया है। गांधी पार्टी में इस प्रकार के तत्वों को प्रोत्साहित करते हैं।

उद्धव गुट की तत्काल सुनवाई की गुजारिश पर सुप्रीम कोर्ट का इंकार, मंगलवार को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना का नाम और चुनाव चिन्ह निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट को दे दिया है। चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। उद्धव गुट ने तत्काल सुनवाई की गुजारिश की। उनकी मांग पर सीजेआई ने याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि याचिका को अर्जेंट मेंशन करने की एक प्रक्रिया है, जिसका पालन किया जाना चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के आदेश का उल्लेख किया। इस पर सीजेआई ने कहा कि अर्जेंट मैटर के मेंशन का सिस्टम बनाया गया है। सभी को उस सिस्टम को मानना पड़ेगा। इसलिए उन्हें मंगलवार

को आना चाहिए। दरअसल, यह याचिका मेंशनिंग लिस्ट में नहीं थी। इसकारण सुप्रीम कोर्ट ने इस मंगलवार को मेंशन करने के लिए कहा। ठाकरे गुट ने निर्वाचन आयोग के आदेश को दोषपूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से इस पर स्टे लगाने की गुहार लगाई है।

उद्धव गुट इस कोशिश में लगा हुआ था कि याचिका को तुरंत सुनवाई के लिए लिस्ट हो जाए। उद्धव गुट के कदम की भनक शिंदे गुट को पहले ही थी। इसकारण उन्होंने चुनाव आयोग के फैसले के बाद ही सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर दिया था।

दरअसल, चुनाव आयोग ने अपने फैसले में शिवसेना का नाम और तीर-कमान का चुनाव चिन्ह शिंदे गुट को देने का निर्णय लिया था। इस फैसले के बाद एक तरफ शिंदे गुट में खुशी की लहर दौड़ गई थी, तब वहीं उद्धव गुट ने इस फैसले को सुनियोजित और पक्षपातपूर्ण बताया था। शिवसेना का नाम और निशान मिलने से उत्साहित शिंदे गुट ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर ये मांग कर दी थी कि बिना उनका पक्ष सुने कोई भी एकतरफा आदेश पारित न किया जाए।

जुनैद, नासिर को जिंदा जला दिया, तब मैं किस खेत की मूली: ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सरकारी आवास पर पत्थर फेंकने का दावा कर एआईएमआईएम के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि कड़ी सुरक्षा जोन में घर होने के बावजूद चार बार हमला हो चुका है। उन्होंने इस राजस्थान के दो मुस्लिम युवकों की हत्या से भी जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि जुनैद और नसीर को किडनैप करके जिंदा जलाया जा सकता है,तब वह कौन हैं? सांसद ने कहा कि गोडसे समर्थक लोग इस हमले के पीछे हो सकते हैं, जिनके हौसले अभी बुलंद हैं। ओवैसी ने कहा, दिनदहाड़े जब जुनैद और नसीर को किडनैप करके उन्हें पीटकर जिंदा जला दिया जा सकता है तब मैं कौन से खेत की मूली हूं? जो भी यह कर रहे हैं उनके हौसले इसलिए बुलंद हैं क्योंकि उन्हें मालूम है कि उनकी पार्टी सत्ता में है। चाहे जुनैद हो, नासिर हो या जहां कहीं भी दलितों को, आदिवासियों को होता है, ओवैसी एमपी जरूर है, लेकिन उनके हौसले बुलंद हैं। उन्हें लगता है कि हिंसा के जरिए वह अपने एजेंडे को पूरा कर सकते हैं। ओवैसी ने कहा कि हमलावर गोडसे की विचाराधारा में विश्वास करने वाले हो सकते हैं।

ओवैसी ने कहा, यह चौथी बार मेरे घर पर हमला हुआ है। 10 कदम पर दिल्ली पुलिस का हेडक्वॉर्टर है, बाजू में चुनाव आयोग है, हाई सिक्यॉरिटी जोन है, इतने कैमरा हैं। कल डीसीपी साहब आए थे मैंने उसने कहा कि आप कैमरा में देख लीजिए, निकाल लीजिए उन्हें। एक बार अंदर घुकर उन्होंने हमारे घरेलू सहायक राजू को पीटा था। यूपी चुनाव के दौरान लाइव टेलिकास्ट करके पत्थर फेंके थे।

पहले जोशीमठ फिर डोडा और अब रामबन...पहाड़ी इलाकों में आ रहे भूस्खलनों के चलते बेघर हो रहे हैं कई परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ी इलाकों में दरारें आने का सिलसिला बढ़ता-सा जा रहा है। कुछ दिन पहले उत्तराखण्ड के जोशीमठ में मकानों में दरारें आने से बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए। उसके बाद जम्मू के डोडा जिले में इसी तरह की घटना हुई और अब जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले का एक गांव भूस्खलन से प्रभावित हुआ है। हम आपको बता दें कि रामबन जिले में दूर-दराज के एक गांव में बड़े भूस्खलन की चपेट में आने से एक दर्जन से अधिक रिहाइशी मकान क्षतिग्रस्त हो गये हैं जिसके चलते 13 परिवार बेघर हो गये हैं। अधिकारियों ने बताया है कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और उन्हें तत्काल राहत सहायता दी गई है, जबकि गांव के पास से गुजरने वाली मुख्य सड़क पर दरार पड़ने के कारण उसे वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया है कि भूस्खलन की घटना रामबन जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर गूल अनुमंडल के संगलदान के डक्सर डल गांव में हुई। हम आपको बता दें कि यह घटना डोडा जिले की नई बस्ती गांव में 19 मकान, एक मस्जिद और लड़कियों के एक धार्मिक स्कूल की जमीन धंसने की घटना के एक पखवाड़े बाद हुई है।

रामबन के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट गूल तनवीर-उल-मजीद वानी ने बताया, ''पिछले तीन दिनों में डक्सर डल में भूस्खलन होने के चलते कुल 13 मकान क्षतिग्रस्त हो गये हैं।' उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और उन्हें तत्काल राहत सहायता के तौर पर तंबू, राशन, बर्तन तथा कंबल मुहैया किये गये हैं।'' उन्होंने बताया कि भूस्खलन शुक्रवार को शुरू हुआ था, जिसमें एक स्थानीय कब्रिस्तान भी प्रभावित हुआ, जिसके बाद खुदाई कर एक शव को निकालने के बाद दूसरे स्थान पर दफनाया गया। अधिकारी ने कहा, ''हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। इलाके में लोगों की आवाजाही पर अभी प्रतिबंध लगा दिया है क्योंकि जमीन अब भी धंस रही है।' उन्होंने कहा कि भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के विशेषज्ञ मुआयना करने के लिए अगले एक-दो दिनों में मौके का दौरा करेंगे और अचानक हुए भूस्खलन के कारणों का पता लगाएंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि प्रभावित परिवारों को राज्य आपदा प्रबंधन कोष से मुआवजा दिया जाएगा।

रामबन के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट वानी ने बताया कि गुल और संगलदान को जोड़ने वाली मुख्य सड़क को बंद कर दिया गया है क्योंकि इस पर भी दरार आ गई है। उन्होंने बताया कि सीमा सड़क संगठन

(बीआरओ) से वैकल्पिक मार्ग को वाहनों की आवाजाही योग्य बनाने का अनुरोध किया गया है। इस बीच, स्थानीय सरपंच रकीब वानी ने कहा, ''लोग दहशत में हैं क्योंकि हमने पहले कभी इस तरह की चीज नहीं देखी थी। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि प्रोफेसर सूर्य प्रकाश के नेतृत्व में राष्ट्रीय आपदा प्रबंध संस्थान के तीन सदस्यों की एक टीम ने सर्वे करने के लिए रविवार को नयी बस्ती गांव का दौरा किया। दूसरी ओर, स्थानीय लोगों ने मीडिया को बताया कि कैसे भूस्खलन की वजह से वह प्रभावित हुए हैं।

बारातियों को ले जा रही बस खाई में गिरी, करीब 15 लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बारातियों को ले जा रही तेज रफ्तार बस खाई में गिरने से करीब 15 लोगों की मौत हुई और 60 अन्य घायल हो गए। इस्लामाबाद से लाहौर जा रही बस रविवार देर रात लाहौर से लगभग 240 किलोमीटर दूर कल्लर कहार साल्ट रेंज क्षेत्र में पलट गई। प्रशासनिक अधिकारी ने बताया, बस पलटने से पहले विपरीत दिशा से आ रहे तीन वाहनों से टकराई और खाई में गिर गई। बस में शादी समारोह से लौट रहे लोग सवार थे। आपातकालीन बचाव सेवा ने बताया कि ब्रेक के काम बंद कर देने के कारण दुर्घटना हुई। मृतकों और कई घायलों को बस काटकर बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा, घायलों को रावलपिंडी और इस्लामाबाद के अस्पतालों में ले जाया गया है, जहां उनमें से 11 की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि मृतकों में छह महिलाएं शामिल हैं।

शख्स ने ऑनलाइन धोखाधड़ी में सबकुछ खो दिया

सिडनी । इंसान की जिदंगी को तकनीक ने काफी आसान बनाया है, लेकिन इसका गलत इस्तेमाल भी हो रहा है। एक पिता ने महज एक क्लिक पर अपने जीवनभर की पूंजी खो दी। इस शख्स का नाम मार्क रोस है। उनका कहना है कि उनके साथ स्कैम हुआ था। इसमें उन्होंने 30,000 डॉलर (करीब 84 लाख रुपये) गंवाए। उन्हें एक क्रिप्टोकरेंसी का ऑफर आया था, जिसमें निवेश करने के बदले अधिक रकम देने की बात कही गई थी। लेकिन उनके अकाउंट में कुछ भी नहीं आया। उन्होंने जब मदद मांगने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया के रहने वाले 54 साल के मार्क एक आईटी वर्कर हैं। मार्क का कहना है, हादसे के बाद मैंने सबकुछ गंवा दिया। मेरे पास कैश नहीं थे, न ही नौकरी, मैं सिंगल पिता हूं और अपना किराया भरने तक के पैसे नहीं थे, इसलिए मुझे अपने बुजुर्ग माता-पिता के पास जाना पड़ा। मैं इधर रहा और बाद में मुझे एक और नौकरी मिल गई लेकिन मेरी सारी बचत चली गई है। उन्होंने कोरोना महामारी के समय अपने पेंशन अकाउंट से भी सारे पैसे निकाल लिए थे, जो स्कैम के चलते खो दिए। मार्क का कहना है कि एक साल पहले उन्होंने एक बोनस सपोर्ट का वीडियो देखा था। उन्हें संदेह हुआ, लेकिन उन्हें लगा कि दुनिया भर के सैकड़ों लोगों को अच्छा रिटर्न मिल रहा है और उन्हें इसतरह से ग्राहकों से बात भी कराई गई, लेकिन उन्हें अब लगता है कि ये सब फर्जी अकाउंट थे। मार्क ने कहा कि उन्होंने अपनी पूरी बचत को एक बार में ट्रांसफर करके बड़ी गलती कर दी थी।

रुस और चीन की ओर इशारा कर अमेरिकी जनरल ने कहा... अब अंतरिक्ष भी सुरक्षित नहीं

म्यूनिख । रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई चीजों में बदलाव हुआ है। म्यूनिख में एक अमेरिकी जनरल ने भी इस ओर इशारा किया है। इन जनरल के मुताबिक अब अंतरिक्ष भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि रूस के बाद अब चीन सबसे बड़ा खतरा बन गया है। उन्होंने कहा है कि अंतरिक्ष में अब मूलभूत बदलाव हुए हैं और यहां पर भी हथियारों की रेस में तेजी आ रही है। इसके बाद चीन अब सबसे बड़ी चुनौतीपूर्ण बनता जा रहा है। अमेरिका के स्पेस ऑपरेशंस के मुखिया जनरल ब्रैडले चांस साल्ट्जमैन ने कहा, हमारे रणनीतिक प्रतिद्वंदी काफी तेजी से हथियार बनाने में लगे हुए हैं। सबसे बड़ा खतरा चीन और रूस से है। उन्होंने कहा कि एंटी-सैटेलाइट मिसाइल, जमीन से निर्देशित होने वाली ऊर्जा और अंतरिक्ष की कक्षा को इंटरसेप्ट करने वाली क्षमताओं में इजाफा हो रहा है। जनरल ब्रैडले के मुताबिक इस बात को मानना होगा कि अब यह हिस्सा भी काफी बदल गया है। अंतरिक्ष में अभी तक जैसे ऑपरेट किया जा रहा था, उसे बदलने की जरूरत है। रूस और चीन की तरफ से खतरनाक हथियारों का टेस्ट किया जा रहा है और कुछ जगहों पर इन हथियारों को संचालित भी किया जाने लगा है।

अमेरिका ने इजराइली बस्तियों के मुद्दे पर यूएन में संभावित राजनयिक संकट टाला

वाशिंगटन । अमेरिका ने इजराइली बस्तियों के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में पैदा होने वाले संभावित राजनयिक संकट को टाल दिया है। घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न राजनयिकों ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर रविवार को कहा कि फलस्तीनियों और उनके समर्थकों की ओर से संयुक्त राष्ट्र में एक विवादित प्रस्ताव पेश किया जाना था, जिसे अमेरिका ने पहले ही सफलतापूर्वक रोक दिया। इस प्रस्ताव में बस्तियों के विस्तार के लिए इजराइल की निंदा की जानी थी और भविष्य में होने वाली गतिविधियों को रोकने की मांग की गई थी। राजनयिकों ने कहा बाइडन प्रशासन इजराइल और फलस्तीनियों दोनों को समझाने में कामयाब रहा कि वे किसी भी एकतरफा कार्रवाई को छह महीने तक रोकने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो सकते हैं। राजनयिकों के अनुसार इसका मतलब इजराइल की कम से कम अगस्त तक बस्तियों का विस्तार नहीं करने की प्रतिबद्धता होगी। उन्होंने कहा कि फिलीस्तीनी पक्ष के लिए इसका मतलब अगस्त तक संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय निकायों जैसे कि विश्व न्यायालय, अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में इजराइल के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने की प्रतिबद्धता होगी। राजनयिकों ने कहा कि प्रस्ताव पेश करने के बजाय संभवत- प्रस्ताव के अनुरूप अध्यक्षीय बयान पारित किया जाएगा। अध्यक्षीय बयान को सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्यों के समर्थन की जरूरत होती है, जिसके बाद यह सुरक्षा परिषद के रिकॉर्ड का हिस्सा बन जाता है, लेकिन इस पर अमल करने की कानूनी बाध्यता नहीं होती।

उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया

सियोल । उत्तर कोरिया ने पिछले दिनों में अपना दूसरा मिसाइल परीक्षण किया है। सोमवार को उ.कोरिया ने अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र में कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया जिससे क्षेत्र में अमेरिका-दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यास के मद्देनजर फिर से तनाव बढ़ने की आशंका है। उत्तर कोरिया अभ्यास को हमले की तैयारी के तौर पर देखता है। अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया था और अमेरिका-दक्षिण कोरिया अभ्यास को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ उत्तर कोरिया की बातचीत रुकी हुई है और अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट को लेकर दबाव बनाने के इरादे से वह अपनी सैन्य क्षमता में इजाफा कर रहा है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरिया को सोमवार को उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के उत्तर में पश्चिम तटीय शहर से दो मिसाइलों के परीक्षण का पता चला है।

गरीबों को सब्सिडी न मिले, उनका निवाला दूसरे ले उड़ें तो यह ठीक नहीं : जार्जीवा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान इन दिनों इतने बुरे दौर से गुजर रहा है कि उसके पास मात्र 21 दिन का ही फॉरेन रिजर्व बचा है। देश में खाद्यान्न और ईंधन की भारी कमी हो गई है। महंगाई इतनी हो गई है कि आम आदमी का पेट भरना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान की जनता टैक्स और डीजल-पेट्रोल की लगातार बढ़ रही कीमतों के बीच पीस रही है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को सलाह दी है कि वह अमीरों पर करम करना बंद करे और उनसे टैक्स वसूले, बकि गरीबों पर रहम करे और सब्सिडी दे। आईएमएफ ने पाकिस्तान को सलाह दी है कि अगर गरीबों को सब्सिडी का फायदा ना मिले और उनका निवाला भी दूसरे लोग ले उड़ें तो यह ठीक नहीं है। इसलिए अमीरों पर टैक्स बढ़ाना जरूरी है। वे चाहे सरकारी सिस्टम से कमा रहे हों या फिर प्राइवेट सेक्टर से। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की बदहाली का दंश सबसे ज्यादा गरीब जनता ही बर्दाश्त करती है। जबकि, अमीर आबादी विदेश की ओर रुख करती है। आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने कहा, पाकिस्तान के लोगों के साथ मेरी संवेदना है। पहले वे बाढ़ के चलते मुसीबत में घिरे और अब वे आर्थिक बदहाली से परेशान हैं। अगर वाकई में पाकिस्तान एक देश के तौर पर काम करना चाहता है और खतरनाक जगह नहीं बनना चाहता तो कुछ कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा, मैं दो चीजों पर जोर देना चाहती हूं कि टैक्स उनपर बढ़ाया जाए जो कि अच्छा कमाते हैं। सब्सिडी का बंटवारा सही तरीके से किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन लोगों को जरूरत है उन्हें सब्सिडी मिले। सब्सिडी अमीरों के लिए नहीं बल्कि गरीबों के लिए है। पाकिस्तान लंबे समय से आईएमएफ से 57 हजार करोड़ रुपये का बेलआउट पैकेज मांग रहा है, लेकिन अब तक बात नहीं बन पाई है।

ब्राजील में भारी बारिश के बाद हुई भीषण तबाही। इस दौरान पेड़ तक गिर गये।

ब्राजील में भारी बारिश ने मचाई तबाही, 36 लोगों की मौत

ब्राजीलिया । ब्राजील के उत्तरी साओ पाउलो राज्य में बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि हताहतों की संख्या अभी बढ़ सकती है। साओ पाउलो राज्य सरकार ने अपने एक बयान में कहा है कि साओ सेबस्टियाओ शहर में 35 लोगों की मौत हुई है, जबकि उबातुबा में सात वर्षीय लड़की की मौत की खबर है। खबरों के अनुसार, साओ सेबस्टियाओ, उबातुबा, इल्हाबेला और बर्टिओगा के शहर सबसे बुरी तरह प्रभावित कुछ इलाकों में शामिल हैं। यहां आपदा के हालात हैं जिसके मद्देनजर कार्निवाल उत्सव रद्द कर दिया गया है। वहीं, बचाव दल लापता, घायल और मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। साओ सेबेस्टियाओ के महापौर फेलिप ऑगस्टो ने कहा, हमारे बचाव दल कई स्थानों पर नहीं पहुंच पा रहे हैं, यह अफरा-तफरी की स्थिति है। उन्होंने बताया कि भूस्खलन के कारण दर्जनों लोग लापता हैं और 50 से ज्यादा घर ढह गए हैं। ऑगस्टो ने सोशल मीडिया पर शहर में व्यापक तबाही के कई वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसमें एक बच्चे को बाढ़ के पानी में डूबी सड़क पर स्थानीय लोगों द्वारा बचाए जाने का वीडियो भी शामिल है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला डा सिल्वा ने ट्विटर पर कहा कि वह प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगे। साओ पाउलो राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि क्षेत्र में एक दिन में 600 मिलीमीटर (23.6 इंच) से अधिक बारिश हुई है जो इतनी कम अवधि में ब्राजील में अब तक हुई सबसे ज्यादा बारिश है। राज्य सरकार ने कहा कि अकेले बर्टियोगा में इस अवधि के दौरान 687 मिलीमीटर बारिश हुई।

रुस-यूक्रेन जंग के भी अचानक कीव पहुंचे बाइडेन बाइडेन के सरप्राइज दौरे से रूस गुस्से में

कीव (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अचानक ही यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे हैं। 24 फरवरी 2022 को जब से जंग शुरू हुई है, तब से यह उनका पहला दौरा है। बाइडन की इस सरप्राइज दौरे से रूस गुस्सा हो गया है। बाइडन का दौरा बताता है कि अमेरिका, युद्ध में यूक्रेन के साथ है। बाइडन उस समय में कीव पहुंचे हैं जब रूस एक साल पूरे होने के मौके पर आक्रामक होने की तैयारी में है। बाइडन यूक्रेन के दौरे के आलावा म्यूनिख भी जाएंगे और यहां पर सुरक्षा सम्मेलन में शामिल होने वाले हैं।

यूक्रेन पहुंचकर बाइडन ने बता दिया है कि अमेरिका अंतिम क्षण तक इस देश के साथ रहेगा। बाइडन के कीव पहुंचते ही यूक्रेन में हवाई हमलों के सायरन गूंजने लगे। सोमवार सुबह से ही इन सायरनों को सक्रिय कर दिया गया था। कीव में अथॉरिटीज ने लोगों से शेल्टर्स में जाने को कहा है। यूक्रेन और अमेरिका दोनों को ही डर है कि रूस एक बार फिर से जंग में मजबूत हो रहा है। बाइडन पोलैंड जाने वाले थे लेकिन यूक्रेन पहुंचकर उन्होंने विदेश मामलों के जानकारों को हैरान कर दिया है।

बाइडन ने यूक्रेन दौरे पर आधा बिलियन डॉलर की अतिरिक्त मदद का ऐलान किया है। बाइडन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ मीडिया से बात की। उन्होंने कहा जो पैकेज यूक्रेन को दिया जा रहा है उसमें मिलिट्री उपकरण जिसमें गोला बारूद, जैवेलिन और तोप शामिल हैं। जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने और बाइडन ने लंबी दूरी के हथियारों पर वार्ता की है। साथ ही उन हथियारों पर भी चर्चा हुई है जिन्हें पहली बार यूक्रेन को सप्लाई किया जाएगा। बाइडन ने इस दौरान यूक्रेन को मिलने वाली मदद और उसके धैर्य पर टिप्पणी की। बाइडन ने कहा, एक साल बाद कीव खड़ा और यूक्रेन खड़ा है। साफ है लोकतंत्र भी मजबूत है। बाइडन ने जेलेंस्की के अलावा उनकी पत्नी और फर्स्ट लेडी ओलेना से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास पर हुई है। बाइडन का यह दौरा एतिहासिक करार दिया जा रहा है। हालांकि कुछ लोग इस दौरे को खतरनाक और जटिल बताया है।

पाकिस्तान-तालिबान के बीच तनाव चरम पर, डूरंड लाइन पर जमकर गोलीबारी

इस्लामाबाद (एजेंसी) पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। एक ओर तालिबान ने जहां तोर्खम सीमा को बंद किया है, वहीं दोनों के बीच सोमवार को डूरंड लाइन पर जमकर गोलीबारी हुई है। स्थानीय लोगों ने अफगान सीमा पर जमकर गोलीबारी होने की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि भारी हथियारों का इस्तेमाल भी किया गया है। पाकिस्तानी मीडिया का दावा है कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि तोर्खम सीमा को किसने बंद किया है, लेकिन दोनों देशों के बीच रिश्ते बहुत खराब हो गए हैं। तालिबानी प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि खैबर दर्रे के पास तोर्खम सीमा को बंद कर दिया गया है। वहीं पाकिस्तानी सेना ने अभी इस गोलीबारी और सीमा को बंद किए जाने पर कोई बयान नहीं दिया है। वहीं पाकिस्तानी सेना के दो सूत्रों ने कहा है कि सीमा को बंद कर दिया गया है और तालिबान के साथ गोलीबारी हुई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 2600 किमी लंबी सीमा है जो दशकों से विवाद का केंद्र रही है। तोर्खम सीमा पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यात्रियों और सामान के आने जाने के लिए प्रमुख मार्ग है।

पाकिस्तान के लंडी कोटाल इलाके के निवासी ने कहा कि रविवार को सीमा को बंद कर दिया गया है और सोमवार को दोनों देशों के बीच जमकर फायरिंग हुई है। उन्होंने कहा, जब हमने सुबह गोलीबारी की आवाज सुनी तो हम चिंतित हो गए। हमें लगा कि दोनों ही देशों की सेनाओं के बीच लड़ाई शुरू हो गई है। पिछले 2 दशक में अफगानिस्तान में अशरफ गनी सरकार हो या तालिबान दोनों के समय ही कई बार पाकिस्तान और तालिबान के बीच गोलीबारी हो चुकी है।

अफगानिस्तान में तालिबान ने शुरू किया शुद्धिकरण अभियान, लागू करेगा सख्त इस्लामिक कानून

काबूल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में नए शासक तालिबान ने नागरिक कानूनों को इस्लामिक कानूनों से बदलने के लिए देश भर में शुद्धिकरण अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य देश में पूरी तरह से इस्लामी समाज बनाने के लिए नागरिक कानूनों और संस्थानों को अलग करना है। अफगान मामलों के विशेषज्ञ सुसन्नाह जॉर्ज ने अपने एक आलेख में कहा है कि अफगानिस्तान पर कब्जे के डेढ़ साल बाद तालिबान ने संविधान को खत्म करके और कानूनी कोड को इस्लामिक कानून की कठोर व्याख्या के आधार पर नियमों के साथ बदलकर देश की न्याय प्रणाली को खत्म कर दिया है।

तालिबान ने जेलों को भर दिया है। साथ ही पुरुषों और महिलाओं को बुनियादी नागरिक अधिकारों से वंचित कर दिया है और सबसे कमजोर अफगानों की रक्षा के लिए बनाई गई सामाजिक सुरक्षा जाल को नष्ट कर दिया है। जॉर्ज ने कहा अब तक तालिबान के शुद्धीकरण अभियान ने समूह के पहले के कार्यकाल की क्रूरता जैसे व्यभिचार के लिए महिलाओं को व्यापक रूप से पत्थरों से मारने जैसी घटना को फिर से प्रकट नहीं किया है। लेकिन हाल के बदलावों से पता चलता है कि तालिबान उस दिशा में आगे बढ़ सकता है।

तालिबान मीडिया को बदलने की भी मांग कर रहा है। मीडिया का उपयोग देश के लिए अपने विजन को बढ़ावा देने और संगीत और संस्थानों में महिलाओं की उपस्थिति सहित गैर-इस्लामिक समझी जाने वाली सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए किया जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि इस प्रयास ने अधिकारों पर आधारित एक सामाजिक व्यवस्था को भय और डराने-धमकाने की प्रक्रिया में बदल दिया है। हालांकि, तालिबान के अधिकारियों और कुछ अफगानों ने इस अभियान को सुरक्षा में सुधार और भ्रष्टाचार को खत्म करने का श्रेय दिया है। अफगानिस्तान के दूसरे शहर कंधार में अपनी मस्जिद के बाहर तालिबान से करीबी संबंध रखने वाले एक प्रमुख इमाम मावलेवी अहमद शाह फेडायी ने कहा कि हमने देश में मानवता लौटाई है। तालिबान के न्यायाधीशों ने कहा उन्होंने 2021 के अधिग्रहण के बाद परित्यक्त अदालतों में स्थानांतरित होने पर पिछली सरकार के कानूनों वाली पुस्तकों को जला दिया गया। जॉर्ज ने कहा हाल के महीनों में तालिबान द्वारा इन कानूनी और नीतिगत परिवर्तनों को औपचारिक रूप देने के साथ, शुद्धिकरण अभियान और आगे बढ़ गया है।

लाहौर हाई कोर्ट पहुंचे इमरान खान, व्हील चेयर पर कोर्ट रूम में ले जाया गया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) के बाहर विरोध प्रदर्शन के एक मामले में अपनी जमानत अर्जी से संबंधित सुनवाई के लिए लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) पहुंचे हैं। अदालत द्वारा शाम 5 बजे पेश होने के निर्देश के बाद सोमवार दोपहर पूर्व प्रधानमंत्री एलएचसी के लिए रवाना हो गए। कोर्ट ने कहा है कि वह 10 मिनट और इंतजार करेगी जिसके बाद जज चले जाएंगे। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) में एक और सुरक्षात्मक जमानत याचिका दायर की। जानकारी के अनुसार, जमानत याचिका पुलिस स्टेशन संगजानी

इस्लामाबाद मामले में दायर की गई थी। उनकी पार्टी ने कहा था कि इमरान तभी आएंगे जब कुछ सुरक्षा उपाय होंगे। आज की सुनवाई में इमरान के वकील ख्वाजा तारिक रहीम ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि आज की सुनवाई के समय मॉल रोड पर ट्रैफिक खाली रहेगा। हालांकि, न्यायमूर्ति तारिक सलीम शेख ने कहा कि कानून सभी के लिए समान है। इमरान को वहां से आना चाहिए जहां से हर आम आदमी आता है। आज की सुनवाई से पहले, एलएचसी के मुख्य द्वार पर बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए इमरान की कानूनी टीम भी कोर्ट पहुंची। लेकिन न्यायमूर्ति शेख ने मस्जिद या जज गेट के माध्यम से एलएचसी परिसर में प्रवेश करने के पीटीआई के अनुरोध को खारिज कर दिया। मीडिया से बात करते हुए, पीटीआई नेता सीनेटर शिबली फ़राज़ ने कहा कि अनुरोध सुरक्षा और चिकित्सा कारणों से किया गया था। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य खराब होने के कारण इमरान धक्का-मुक्की और धक्का-मुक्की नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम अदालत में पेश होने के लिए तैयार हैं, लेकिन पहले कुछ सुरक्षा शर्तें जरूरी हैं।

विदेश सचिव क्वात्रा की नेपाल यात्रा से दोनों देशों के बीच मजबूत हुए द्विपक्षीय संबंध

-अगले माह भारत आएंगे प्रचंड

काठमांडू (एजेंसी)। विदेश सचिव विनय क्वात्रा की 13 और 14 फरवरी को नेपाल की यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आई है। क्योंकि हाल ही में संपन्न चुनावों के बाद नेपाल में नई राजनीतिक व्यवस्था का नेतृत्व पुष्प कमल दहल प्रचंड कर रहे हैं। यह यात्रा नेपाल के निमंत्रण पर आयोजित की गई थी और इसे प्रचंड की भारत यात्रा के अग्रदूत के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने पहले ही पुष्टि कर दी है कि वह अगले माह भारत की यात्रा करेंगे। पुष्पकमल दहल कूटनीतिक रूप से चीन के अधिक निकट माने जाते रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में उनका भारत के प्रति दृष्टिकोण बदला है।

प्रचंड जब पहली बार सत्ता में आए थे, तब उन्होंने पारंपरिक प्रथा से विराम लेते हुए भारत के बजाय चीन की अपनी पहली यात्रा करने का विकल्प चुना था। इस बार प्रचंड ने अपनी पहली भारत यात्रा का जिक्र कर दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का संदेश साफ कर दिया है। भारत पहले से ही कई विकासात्मक परियोजनाओं पर नेपाल के साथ सहयोग कर रहा है। दो पड़ोसी देशों के विभिन्न स्थलों को जोड़ने वाले रामायण सर्किट के निर्माण की परियोजना शुरू की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपनी पिछली यात्रा के दौरान एक भारतीय मठ की आधारशिला रखना एक महत्वपूर्ण घटना थी। बुनियादी ढांचा और अन्य सहयोग भी इनमें शामिल हैं। नेपाल ने भारत को लचर पश्चिम सेती जलविद्युत परियोजना को लेने की पेशकश की। शिक्षा के क्षेत्र में आईआईटी मद्रास और काठमांडू विश्वविद्यालय एक संयुक्त डिग्री कार्यक्रम की पेशकश करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जबकि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) और लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय ने बौद्ध अध्ययन के लिए एक डॉ अंबेडकर चेयर स्थापित करने का निर्णय लिया है। भारत और नेपाल मजबूत धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक संबंध साझा करते हैं जो सदियों पुराने हैं। दोनों देश न केवल खुली सीमाओं को साझा करते हैं, बल्कि दोनों देशों के लोगों के बीच हमेशा निर्बाध आवाजाही होती रही है, जिन्होंने विवाह और पारिवारिक बंधनों के माध्यम से संबंध बनाए हैं।

अब सेना के भरोसे नहीं बैठ सकते.. पाक के पूर्व सैन्य जनरल ने कहा- भारत से बातचीत 'पाकिस्तान की जरूरत'

इस्लामाबाद (एजेंसी)। देश की इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के पूर्व प्रमुख अतहर अब्बास ने कहा कि बातचीत पाकिस्तान की जरूरत है। ÷आगे बढ़ने का रास्ता सिर्फ राज्य तंत्र नहीं है, क्योंकि अगर आप इसे [पूरी तरह] सुरक्षा प्रतिष्ठान पर छोड़ देते हैं, तो आगे कोई कदम नहीं होगा। यह एक कदम आगे और दो कदम पीछे ले जाने जैसा होगा। एक देश(पाकिस्तान) जो खुद से युद्ध कर रहा है, उनकी कौन सुनेगा?

अतहर अब्बास ने कहा कि यदि विपक्ष सरकार के साथ युद्ध में है, तो प्राथमिकता इस सदन को दुरुस्त करने की होनी चाहिए। यदि आंतरिक सुरक्षा की स्थिति, आतंकवाद और असैन्य-सैन्य विभाजन एक-दूसरे को कमतर आंक रहे हैं, तो इस स्थिति में आपकी (पाकिस्तान सरकार) कौन सुनेगा? ट्रैक द्वद्व डिप्लोमेसी जैसी पहल होनी चाहिए। मीडिया, व्यापार और व्यापार संगठन, और अकादमिक भारतीय समाज के भीतर बातचीत कर सकते हैं और अपनी जगह बना सकते हैं। अब्बास ने जोर देकर कहा कि इससे (भारत) सरकार (और) राज्य के अधिकारियों पर यह देखने का दबाव बनेगा कि लोग क्या कह रहे हैं। यह समय की मांग है। संवाद पाकिस्तान की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि अगर प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, तो पाकिस्तान अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे ÷बाहरी तत्वों÷ को भी शामिल कर सकता है। ह पूछे जाने पर कि उन्होंने पड़ोसियों के साथ कितनी जल्दी कोई बातचीत देखी, अब्बास ने कहा, %आप अपने पड़ोसी को नहीं बदल सकते। आखिरकार, उन्हें बातचीत की मेज पर आना होगा, भले ही उन्हें लगे कि वे एक महान शक्ति हैं।

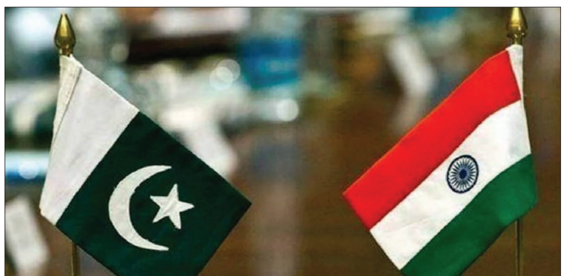

संपादकीय

मन है विचारों का एक बैंक

मन विचारों का एक ऐसा सुन्दर बैंक है जिसको भरना हमारे ऊपर निर्भर करता है की इसको हम कैसे किसमें आदि भरे । इसके मैनेजर , कैशियर , कर्मचारी , ग्राहक आदि हम खुद ही है । इसको हम अच्छे से निरन्तर भरेंगे तो अच्छा मन होगा व इसका हमारे जीवन में अच्छे आचरणों में सामने आयेगा । विपरीत में विपरीत ही मन होगा वह वैसे ही आचरण हमारे सामने आयेंगे । सोच से ही सुख भी मिलें वह सोच से ही दुख: भी मिलें ।अगर हमारी सोच सही वह सकारात्मक होतो कर्म भी हमारे सुकर्म होंगे । और अगर सोच हमारी नकारात्मक हो तो कर्म भी बुरे कर्म होगे ।इसलिए सदैव अपने सोच व कर्म को सकारात्मक रखें। अग्नि चाहे दीपक की हो , चिराग की हो , लालटेन की हो अथवा मोमबत्ती लौ की हो आदि इसके दो ही कार्य है जलना और प्रकाश करना । यह हमारे अपने विवेक के ऊपर निर्भर करता है कि हम इसका कहाँ कैसे उपयोग करें ।यही लौ मनुष्य के शरीर को शांत कर देती है तो यही लौ अन्धकार को दूर कर सम्पूर्ण जगत को प्रकाशमय कर देती है । अत: चिन्तन की बात यह है कि उपयोग करने के ऊपर निर्भर है वो उसी वस्तु से पुण्यार्जन कर सकता है तो थो[illegible] चुक होने पर पापार्जन भी कर सकता है। इसी तरह मन के विचारों के बैंक का उपयोग हमारे जीवन के आचरणों पर निर्भर करता है ।हमारा मन विचारों का ही तो एक बैंक है। उसमें से वही तो निकलेगा जो हमने इसमें जमा किया है । अत: हम अपने जीवन को सही से सदैव सकारात्मक रखने के लिए नकारात्मकता को पास ही कभी न फटकने दें। मन में सदा सकारात्मकता की पूँजी ही भरते रहें।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

प्रथम गुरु की तरह ही है मातृभाषा

जब हम अपनी स्वयं की भाषा से इतर किसी दूसरी भाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो स्वाभाविक रूप से वह भाषा हमारा बाहरी आवरण ही होता है। क्योंकि हमारे घर का, आसपास का वातावरण मातृभाषा का ही होता है। इसका दुष्परिणाम यह भी होता है कि हम घर परिवार और समाज से समरस होने का सामर्थ्य खो देते हैं। हम केवल एक भाषा के तौर पर विकास का मिथ्या आवरण ओढ़ लेते हैं, जबकि सांस्कृतिक विकास की धारा से विमुख हो जाते हैं। इसलिए यह कहा जाना समुचित है कि मातृभाषा जमीनी संस्कार प्रदान करने वाली भाषा है।

(लेखिका- डॉ. वंदना सेन)

(अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर विशेष)

जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं। मातृभाषा, किसी भी व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। मातृभाषा का शाब्दिक अर्थ है माँ से सीखी हुई भाषा। बालक यदि माता-पिता के अनुकरण से किसी भाषा को सीखता है तो वह भाषा ही उसकी मातृभाषा कही जाती है। मातृभाषा हम सभी को उस धरातल से जोड़ती है, जो हमें आगे बढ़ते के लिए आधार प्रदान करती है। इसलिए हम यह भी कह सकते हैं कि मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना उत्प्रेरित भी करती है। जब हम अपनी स्वयं की भाषा से इतर किसी दूसरी भाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो स्वाभाविक रूप से वह भाषा हमारा बाहरी आवरण ही होता है। क्योंकि हमारे घर का, आसपास का वातावरण मातृभाषा का ही होता है। इसका दुष्परिणाम यह भी होता है कि हम घर परिवार और समाज से समरस होने का सामर्थ्य खो देते हैं। हम केवल एक भाषा के तौर पर विकास का मिथ्या आवरण ओढ़ लेते हैं, जबकि सांस्कृतिक विकास की धारा से विमुख हो जाते हैं। इसलिए यह कहा जाना समुचित है कि मातृभाषा जमीनी संस्कार प्रदान करने वाली भाषा है।

मातृभाषा से बच्चों का परिचय घर और परिवेश से ही शुरू हो जाता है। इस भाषा में बातचीत करने और चीज़ों को समझने-समझाने की क्षमता के साथ बच्चे विद्यालय में दाखिल होते हैं। अगर उनकी इस क्षमता का इस्तेमाल पढ़ाई के माध्यम के रूप में मातृभाषा का चुनाव करके किया जाये तो इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं।

भारत की मुख्य विशेषता यह है कि यहाँ विभिन्नता में एकता है। भारत में विभिन्नता का स्वरूप न केवल भौगोलिक है, बल्कि भाषायी तथा सांस्कृतिक भी है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 1652 मातृभाषाएं प्रचलन में हैं, जबकि संविधान द्वारा 22 भाषाओं को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गयी है। आज का कड़वा सच ये है कि हर 14 दिन में दुनिया में एक भाषा विलुप्त हो रही है। कहीं ऐसा न हो कि विदेशी भाषाओं के मोहजाल में फंसकर हम अपने स्वत्व को ही मिटा दें। ऐसा करके हम अपने अस्तित्व को ही मिटाने का कार्य करेंगे।

यूनेस्को द्वारा भाषायी विविधता को बढ़ावा देने और उनके संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की शुरूआत की गई। मातृभाषा ही किसी भी व्यक्ति के शब्द और संप्रेषण कौशल की उद्गम होती है। एक कुशल संप्रेषक अपनी मातृभाषा के प्रति उतना ही संवेदनशील होगा, जितना विषय-वस्तु के प्रति। मातृभाषा व्यक्ति के संस्कारों की परिचायक है। वास्तविकता यह है कि मातृभाषा एक कुशल गुरू की भांति ही मार्ग प्रशस्त करती है। मातृभाषा बालक का प्रवृत्तियों को जगाकर स्वतंत्र रूप से सर्जन की प्रेरणा देती है। मातृभाषा में सरसता और पूर्णता की अनुभूति होती है। मातृभाषा मात्र संवाद ही नहीं, अपितु संस्कृति और संस्कारों की संवाहिका भी है। मातृभाषा सहज रूप में अनुकरण के माध्यम से सीखी जाती है। अन्य भाषाएँ भी बौद्धिक प्रयत्न से सीखी जाती हैं। दोनों प्रकार की भाषाओं के सीखने में अंतर यह है कि मातृभाषा तब सीखी जाती है जब बुद्धि अविकसित होती है, अर्थात् बुद्धि-विकास के साथ मातृभाषा सीखी जाती है। इससे ही इस संदर्भ में होने वाले परिश्रम का ज्ञान नहीं होता है।

अपनी भाषा को मातृभाषा क्यों कहते हैं, पितृभाषा क्यों नहीं? किसी भी संतान को जन्म देने वाली एक माँ ही होती है और उससे ही बच्चे सबसे पहले भाषा को सुनते और बोलते हैं। शाला जाने से पहले तक बच्चे जो भी बोलना सीखते हैं उसमें सबसे ज्यादा योगदान माँ का ही होता है अत- स्वाभाविक है कि इस भाषा को मातृ-भाषा कहा जाता है ।मातृभाषा के गर्भ में जातीय बुद्धि को पूर्ण और उच्च प्रकृति बनाने की शक्ति होती है। मातृभाषा के प्रचार से सदाचार को किसी विचित्र तथा विलक्षण मानसिक प्रभाव के कारण अत्यंत लाभ होता है। मातृभाषा के द्वारा हम जो सीखते हैं, वह संसार के अन्य किसी भाषा के द्वारा नहीं सीख सकते। सभी संस्कार एवं व्यवहार इसी के द्वारा हम पाते हैं। इसी भाषा से हम अपनी संस्कृति के साथ जुड़कर उसकी धरोहर को आगे बढ़ाते हैं। अपने जीवन में दूसरों से ज्यादा वो हमेशा हमारा ध्यान रखती है और प्यार करती है जितना कि हम काबिल नहीं होते हैं।

मातृभाषा से बच्चों का परिचय घर और परिवेश से ही शुरू हो जाता है। इस भाषा में बातचीत करने और चीज़ों को समझने-समझाने की क्षमता के साथ बच्चे विद्यालय में दाखिल होते हैं। अगर उनकी इस क्षमता का इस्तेमाल पढ़ाई के माध्यम के रूप में मातृभाषा का चुनाव करके किया जाये तो इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। यूनेस्को द्वारा भाषायी विविधता को बढ़ावा देने और उनके संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की शुरूआत की गई। हम अक्सर देखते हैं कि बहुत सी बातें अवधी, भोजपुरी, ब्रजभाषा, मगही, मराठी, कोंकणी, बागड़ी और गरासिया आदि भाषाओं (अथवा बोलियों) में कही जाती हैं तो उनका व्यापक असर होता है।

कई बार मातृभाषा को हतोत्साहित करने की प्रवृत्ति विद्यालयों में देखी जाती है। जैसे हिंदी बोलने पर इंग्लिश मीडियम स्कूलों में फाइन लगने वाली घटनाओं के बारे में हमने सुना है। ऐसे ही अवधी या अन्य मातृभाषाओं के गीतों को स्कूलों में गाने से बच्चों को हतोत्साहित किया जाता है, इसका अर्थ है कि हम बच्चों को उनके अपने परिवेश, संस्कृति और उनकी जड़ों से काट देना चाहते हैं। यह प्रक्रिया बड़ी चालाकी के साथ बचपन से ही शुरू हो जाती है और एक दिन हमें अहसास होता है कि हम अपनी ही जड़ों से अजनबी हो गये हैं।

इससे बचने का एक ही तरीका है कि हम मातृभाषा में संवाद, चिंतन और विचार-विमर्श को अपने रोजमर्रा की ज़िदगी में शामिल करें। इसके इस्तेमाल को लेकर किसी भी तरह की हीनभावना का शिकार होने की बजाय ऐसा करने को प्रोत्साहित करें।

(लेखिका शिक्षाविद व हिंदी की सहायक प्राध्यापक हैं)

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

भविष्य के आकाश में लंबी और ऊंची छलांग

(लेखक- नवीन जैन)

कुछ संस्थान या लोगों का जन्म इसीलिए होता है कि प्रगति के मामले में लगातार उड़ते ही रहें। कभी रुके या थके नहीं । एयर इंडिया ग्रुप को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है,जिसके स्वर्ण पुरुष भारतीय उद्योग जगत के पितामह जमशेद जी टाटा थे। उनके द्वारा ही स्थापित की गई एयर इंडिया नामक विमान सेवा अब नव प्रगति की ओर अग्रसर है। खबरों के अनुसार एयर इंडिया ने अमेरिका और फ्रांस से हाल में एक करार किया है जिसके तहत एयर इंडिया उक्त दोनों देशों से आने वाले समय में कुल 470 विमानों के बेड़े खरीदेगा। दुनिया का यह सबसे बड़ा वैमानिक सौदा बताया जा रहा है। इतनी बड़ी खरीदारी किसी देश ने किसी अन्य देश से नहीं की। इस कारण विमान सेवाओं के जगत में टाटा समूह और भारत की बल्ले बल्ले हो गई है।

जानने वाले जानते हैं कि कभी शरणार्थी बनकर भारत आए पारसी उद्यमियों ने दिन रात भारत की उन्नति के सपने देखे। उक्त करार के अनुसार टाटा समूह अमेरिका से 220 बोइंग एयर क्राफ्ट के साथ फ्रांस से 250 एयर बस विमान खरीदने जा रहा है, जिनके कागज़ात पर दस्तखत हो चुके हैं। एक दौर ऐसा भी था, जब पूरी दुनिया में एयर इंडिया का बोलबाला था, और इसकी शुरुवात जमशेदजी टाटा ने ही की थी। टाटा ग्रुप इसे नित नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहा था, लेकिन इसी बीच पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने इसे सरकार के ताबे में ले लिया। उस वक्त कथित समाजवादी तथा वामपंथी नीतियों की देश में दुहाई दी जा रही थी, लेकिन यह कोरी मोरी खाम खयाली सिद्ध हुई। आने वाले सालों में मुनाफे में चलने वाली एयर इंडिया कंपनी को भी वही बुरे दिन देखने पड़े, जो कई सार्वजनिक क्षेत्रों के उद्यम देखने को मजबूर थे। इस उपक्रम के घाटे में चलने का प्रमुख कारण इसमें अनाप शनाप की गई भर्तियां भी माना गया। अपनी नई आर्थिक नीतियों के तहत नरेंद मोदी सरकार ने एयर इंडिया को वापस टाटा समूह को बेच देने की योजना बनाई और 69 वर्ष बाद जनवरी 2022 में एयर इंडिया और इंडिया एक्सप्रेस पुनः टाटा समूह को सौप दिए गए।

इस निजीकरण की योजना का कांग्रेस समेत लगभग पूरे विपक्ष ने अपने एक तय शुदा एजेंडा के अंतर्गत विरोध किया, लेकिन जन सामान्य के लिए कुल मिलाकर यह एक बहुत अच्छी खबर थी और सोने में सुहागा यह रहा कि पहले ही वित्त वर्ष में टाटा समूह ने इस उपक्रम को कमाई करने वाले उद्यम में तब्दील कर दिया। टाटा के नए सौदे में परोक्ष रूप से ब्रिटेन भी शामिल है। इसीलिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सौदे पर एक दूसरे को फोन पर बधाइयां दी। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने तो सौदे की तारीफ करते हुए यहां तक कहा कि उनके देश में इस सौदे से दस लाख नई नौकरियां सृजित हो सकेंगी। उधर, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रो ने कहा कि 250 विमानों की खरीद के लिए एयरबस का जो उक्त करार हुआ है उससे फ्रांस और भारत के बीच गहन राजनयिक, रणनीतिक और मैत्री पूर्ण समझदारी विकसित होगी। जान ले कि इस सौदे में ब्रिटेन की कंपनी रॉल्स रायस का भी हाथ है, क्योंकि वह एयर बस और विमानों के इंजन बना कर देगी। इस आधार पर ऋषि सुनक ने उक्त करार की तारीफ की।

जाहिर है कि चूंकि भारत को कूटनीतिक स्तर पर अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे शक्तिशाली देशों के समर्थन की तत्काल जरूरत है इसलिए आने वाले समय में उक्त सौदा बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है। दुनिया की एक और महाशक्ति रूस हमारे साथ सालों से हमारे साथ दोस्ती का हर धर्म निबाहता आ ही रहा है। अब इसका क्या किया जा सकता है कि मोदी सरकार का हर बात में मखौल उड़ाने का आदी हो चुका लगभग पूरा विपक्ष इस ऐतिहासिक सौदे पर प्रसन्नता जाहिर करने की बजाय एक सोचनीय खामोशी बनाए हुए है। किसी छोटे या बड़े विपक्षी नेता ने अभी तक तो इस करार के हक में दो शब्द भी नहीं कहे। कुछ हलकों से इस करार की यह कहकर आलोचना हो रही है कि इतनी जल्दी 45.9 बिलियन डॉलर की इस डील का अभी से स्वागत करना जल्दबाजी होगा, क्योंकि भारत में आवश्यक नेटवर्क ही उपलब्ध नहीं है। ऐसे लोगो का तर्क है कि अभी तो उपलब्ध हवाई पट्टियों की स्थिति ही ठीक नहीं है। ऐसे लोगो को यह जानना चाहिए कि ऐसी दुर्दशा ग्रसित हवाई पट्टियों और हवाई अड्डों का लगातार सुधारीकरण किया जा रहा है और इसी के साथ कई नए शहरों में हवाई अड्डे स्थापित किए जा रहे है ।अब तो आलम यह है कि मध्य प्रदेश के इन्दौर जैसे एयरपोर्ट से रोजाना विभिन्न कंपनीज की बीस बीस से ज्यादा उड़ानें आने जाने लगी है, जिनमें दुबई जैसी उड़ान भी शामिल है। जान लें कि जब जनवरी 2022 में टाटा समूह ने जब सरकार से एयर इंडिया का संचालन वापस लिया था, तब टाटा ने अपनी उक्त सर्विस को विश्व स्तर का बनाने के लिए पांच साल का रोड मैप या खाका प्रस्तुत किया था। टाटा समूह की देश भक्ति, कार्य कुशलता, सेवाओं में लगातार सुधार का ब्रह्म वाक्य और उत्कृष्ट सेवा देने का उजला इतिहास किसी से छिपा नहीं है। इसलिए हर मामले में राजनीति लाना देश हित के मद्दे नज़र ठीक नहीं है। इसके बाबजूद जो लोग मोदी सरकार की निजीकरण की एक तरफा आलोचना के लिए ही जाने जाते हैं, उन्हें यह भी मालूम होना चाहिए कि नवम्बर 2022 में सिंगापोर एयर लाइंस ने एयर इंडिया में 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था। यह डील रंग लाई। इस डील को पहली सफलता तो यह मिली कि इससे जाहिर हो गया कि सार्वजनिक उपक्रमों को निजी कंपनियों को सौंप देना हरदम ही नुकसान का बायस नहीं होता। इस निवेश ने यह भी जाहिर कर दिया कि सरकार का काम कारखाने या इंडस्ट्री चलाना इसलिए नहीं है कि सामान्यतः इसमें उसे (सरकार को) को घाटा ही हाथ लगता है।

एयर इंडिया ने थोड़े से समय में यह तथ्य स्पष्ट करके बता दिया। यह बात भी नोट करने लायक है देश में देश विदेश पर्यटन उद्योग लगातार विकास की ओर है। इसके लिए जो नेट वर्क या इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए उसके लिए सरकार को टाटा जैसी निजी कंपनियों से हाथ मिला कर काम करना ही समय की मांग है। सबसे बड़ी बात यह कि किसी भी देश की आर्थिक उन्नति का मूल पैमाना यह है कि उसके खजाने में सोना (विश्व में भारत का स्थान आठवां) कितना है और दूसरा उसके पास विदेशी मुद्रा का भंडारण कितना है। विदेशी मुद्रा के भंडारण का एक मुख्य स्त्रोत विदेशी पर्यटन भी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है)

विकास केवल अमीरों के लिये या गरीबों का भी होगा विकास?

(लेखक - सनत जैन)

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एक अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के अनुसार दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर स्कूटर चालकों, बाइक चालकों, तिपहिया वाहन और ट्रैक्टर इत्यादि के चलने पर पूरी तरह से रोक होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि अधिक रफ्तार वाले वाहनों की आवाजाही के कारण धीमी गति से चलने वाले वाहनों को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे में चलने की अनुमति नहीं होगी। इस अधिसूचना के जारी होने के बाद अब दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के किसी भी मार्ग पर स्थानीय वाहनों का चलना संभव नहीं होगा। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 फरवरी को एक्सप्रेस-वे के 246 किलोमीटर (दिल्ली दौसा लालसोट खंड) का उद्घाटन किया है। उसके बाद यह अधिसूचना जारी हुई है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस का जो कारीडोर तैयार हुआ है। उस में चलने वाले वाहनों की न्यूनतम स्पीड 80 किलोमीटर और अधिकतम स्पीड 120 किलोमीटर होगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस वे के लिए रोड के किनारे इन्फ्रास्ट्रेक्चर तैयार किए हैं। लेकिन इस प्रोजेक्ट में कहीं पर भी स्थानीय जरूरतों का ध्यान नहीं रखा गया है। जबकि जमीनों का अधिग्रहण स्थानीय विकास को बढ़ावा देने के नाम पर किया गया है। किसानों ने अपनी जमीनें दी हैं। उस पर एक्सप्रेस वे और राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ है। उनकी डिजाइन इस तरह क्यों नहीं तैयार की गई कि कम गति वाले वाहन भी राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे पर चल सकें। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें विकास के लिए बड़ी-बड़ी योजनाएं लेकर आती हैं। इनमें सरकारी खजाने का बहुत बड़ा धन लगाया जाता है। लेकिन इसका लाभ बड़े-बड़े उद्योगपतियों और बड़े-बड़े लोगों को ही मिलता है। जिन स्थानों पर इस तरीके की विकास कार्य होते हैं, वहां पर जमीन और स्थानीय संसाधन सरकार डंडे और कानून के बल पर अधिग्रहित करती है। स्थानीय लोगों को भरोसा दिलाया जाता है कि इस विकास का लाभ उनको और उनकी आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा। वह आर्थिक दृष्टि से सक्षम होंगे। किंतु सरकार जो बोलती है, वैसा होता नहीं है। जैसे ही एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार हुआ सबसे पहले और सबसे बड़ी गाज स्थानीय निवासियों पर ही गिरी है। इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर सारे देश में लाखों हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया है। स्थानीय संसाधनों का भरपूर उपयोग किया गया। स्थानीय लोगों को ही जो विकास हुआ है उससे वंचित करना भारत में ही संभव है। सरकार को यदि समग्र विकास करना होता तो जब इस तरह के प्रोजेक्ट तैयार करती है जिसमें स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, उनके लिए एक अलग से लेन बनानी चाहिए थी। ताकि स्थानीय लोग भी विकास की इस दौड़ में शामिल होते हुए अपने आर्थिक आधार को और मजबूत कर सकें। इंफ्रास्ट्रक्चर के जो प्रोजेक्ट लाए जाते हैं, उनमें नीलामी के माध्यम से बाहर के लोगों को लाकर बड़े बड़े व्यवसायियों और कारोबारियों को वहां पर स्थापित करा दिया जाता है। स्थानीय लोगों का जो रोजगार था वह उजड़ रहा है। स्थानीय लोगों को नौकरियां भी नहीं मिल रही हैं। यहां तक कि टोल प्लाजा में जो लोग काम कर रहे हैं। वह भी बाहर से ही आते हैं। मशीनों से अधिकांश काम कराया जा रहा है। स्थानीय रोजगार और स्थानीय नौकरियां तेजी के साथ खत्म हो रही हैं। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जो सर्कुलर जारी किया है, उसके बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा बढ़ना स्वाभाविक है। देखने में आ रहा है कि जहां इस तरह के बड़े बड़े प्रोजेक्ट पर काम चल रहे हैं, उसके बाद स्थानीय रोड और अन्य विकास कार्यों के लिये राज्य सरकारें और लोक निर्माण विभाग जैसी संस्थाएं कोई ध्यान नहीं देती हैं। राजमार्ग से लगी हुई सड़कें काफी जर्जर स्थिति में हैं। स्पीड के नाम पर स्थानीय लोगों को संसाधनों से दूर करके सरकार गरीब और अमीर का भी एहसास कराने का काम सरकार कर रही है। जिनकी जमीन थी, वही उसका लाभ नहीं ले पाएंगे। ऐसी स्थिति में उनमें रोष उत्पन्न होना स्वाभाविक है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवेलप करने वाली शासकीय एजेंसियों को यह ध्यान में रखना चाहिए कि वह अपने प्रोजेक्ट को इस तरह से डिजाइन करें, जिसका लाभ वहां के स्थानीय लोगों को बड़े पैमाने पर मिले। यदि यह सोंच और तरीका नहीं अपनाया गया, तो आने वाले प्रॉजेक्टों में स्थानीय स्तर पर आसानी से ना तो जमीन उपलब्ध होगी और ना ही स्थानीय संसाधनों का उपयोग स्थानीय लोग करने देंगे। सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चा हिये। भ विष्य में जो भी प्रोजेक्ट आएं, उसमें स्थानीय लोगों की जरुरतों का भी ध्यान रखा जाए।

समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए-

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम मे मेटल क्लासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवियर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।

इन छोटे-छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग-अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी-सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार-बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10-11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए-

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके -हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता-पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे-

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उत्तेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ-साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग-अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल- टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान -जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल-पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन - छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर- ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब- वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2- 4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई । मुम्बई शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट विदेशी बाजारों के दबाव से बिकवाली हावी होने के कारण आई है। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग, फार्मा और एनर्जी शेयरों में बिकवाली हावी रही। वहीं मेटल, पीएसई, रियल्टी और एएफएमसीजी शेयरों में भी दबाव बना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 311.03 अंक करीब 0.51 फीसदी नीचे आकर 60,691.54 के स्तर पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला निफ्टी 99.60 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी टूटक्र 17,844.60 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज सुबह शेयर बाजार की तेज शुरुआत हुई पर विदेशी बाजार के दबाव की वजह से निवेशक जल्द बिकवाली की तरफ मुड़ गए और थोड़ी देर बाद ही गिरावट दिखने लगी।आज कई शेयरों में ज्यादा गिरावट दिख रही तो कुछ शेयरों ने जबरदस्त परफॉर्मेंस किया है। सेंसेक्स 110 अंकों की बढ़त के साथ 61,113 पर खुला और कारोबार शुरू किया, जबकि निफ्टी 22 अंकों की तेजी पकड़कर 17,966 पर खुला और कारोबार शुरू किया। ऐसा लग रहा था कि सप्ताह के पहले दिन बाजार बड़ी बढ़त बना लेगा, लेकिन वैश्विक बाजार के दबाव में निवेशक जल्द ही बिकवाली और मुनाफावसूली पर उतर आए, जिससे बाजार में गिरावट दिखने लगी. लेकिन, निवेशकों का पॉजिटिव सेंटिमेंट बना रहा और फिर से तेजी पकड़ ली और सेंसेक्स 185 अंक चढ़कर 61,183 पर कारोबार करने लगा, जबकि निफ्टी 30 अंक चढ़कर 17,970 पर कारोबार कर रहा था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुख एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार की ओर हुआ। गत सप्ताह एफपीआई ने शेयर बाजार में 7,600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। वहीं गत सप्ताह एफपीआई ने 3,920 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष के अनुसार सुधारों के कारण देश ऊंची वृद्धि दर की राह पर बना रहेगा। उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष 2023-24 में देश की अर्थव्यवस्था के 6 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने में 50 रुपये की हल्की बढ़त आई जबकि चांदी की कीमतों में 140 रुपये का हल्का उछाल आया है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में 50 रुपये की तेजी से ये 56,307 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयीं। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 56,257 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी की कीमत भी 140 रुपये ऊपर आकर 65,770 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना बढ़त के साथ 1,845 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी 21.82 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

एंग्लो-ईस्टर्न समूह इस साल 1,000 भारतीय नाविकों की भर्ती करेगी

मुंबई । हांगकांग स्थित एंग्लो-ईस्टर्न समूह ने इस साल अपने मौजूदा कार्यबल में कम से कम 1,000 भारतीय नाविकों को शामिल करने की योजना बनाई है। जहाज प्रबंधन कारोबार से जुड़ी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत वैश्विक स्तर पर पोत परिवहन उद्योग के लिए प्रशिक्षित समुद्री कार्यबल मुहैया कराने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। एंग्लो-ईस्टर्न समूह अपनी सहायक कंपनी एंग्लो ईस्टर्न शिप मैनेजमेंट इंडिया के जरिए देश में मौजूद है। उसके मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, कोच्चि, लखनऊ और चंडीगढ़ में कार्यालय हैं। इसके अलावा समूह भारत में एक समुद्री प्रशिक्षण संस्थान भी संचालित करता है। एंग्लो-ईस्टर्न शिप मैनेजमेंट इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय नाविकों का हमारा मौजूदा कार्यबल लगभग 21,000 है। मौजूदा कैलेंडर वर्ष के अंत तक हम कम से कम 1,000 और भारतीय नाविकों को जोड़ने की योजना बना रहे हैं। समूह के पास दुनिया भर में कुल 27,000 से अधिक नाविक हैं। भारत हमारे समूह के विकास के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण देश है।

टीसीएस का छंटनी का इरादा नहीं

मुंबई । टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का कर्मचारियों की छंटनी का कोई इरादा नहीं है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी का कहना है कि टीसीएस में हम प्रतिभाओं को लंबे करियर के लिए तैयार करते हैं। टीसीएस के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी मिलिंद लक्कड़ ने कहा कि कंपनी स्टार्टअप कंपनियों के उन कर्मचारियों की नियुक्ति करने जा रही है जो अपनी नौकरी गंवा चुके हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जबकि दुनियाभर की बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियां कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा रही हैं। लक्कड़ ने कहा कि हम छंटनी में विश्वास नहीं रखते। हम प्रतिभाओं को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कई कंपनियों को इस तरह का कदम इसलिए उठाना पड़ रहा है क्योंकि उन्होंने जितना चाहते थे उससे अधिक लोगों को काम पर रख लिया। वहीं इस मामले में सतर्क टीसीएस से जब कोई कर्मचारी जुड़ जाता है, तो यह कंपनी की जिम्मेदारी होती है कि वह उन्हें उत्पादक बनाए। कई बार ऐसी स्थिति आती है जबकि कर्मचारी के पास मौजूद दक्षता हमारी जरूरत से कम होती है। ऐसी स्थिति में हम कर्मचारी को समय देते हैं और उसे प्रशिक्षित करते हैं। टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या छह लाख से अधिक है। लक्कड़ ने कहा कि कंपनी इस बार भी कर्मचारियों को पूर्व के वर्षों के बराबर वेतनवृद्धि देगी।

महंगाई तय सीमा में रखने जरूरी कदम उठाएगा आरबीआई: सीतारमण

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि महंगाई को तय सीमा में रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आवश्यक कदम उठाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने सोमवार को जयपुर में बजट के बाद उद्योग जगत के एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मुझे लगता है कि आरबीआई भारतीय अर्थव्यवस्था पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़ने पर फैसला ले रहा है। बता दें कि खुदरा महंगाई जनवरी महीने में तीन महीने के उच्च स्तर 6.52 फीसदी पर पहुंच गई। इसके साथ ही महंगाई एक बार फिर रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर चली गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दिसंबर में 5.72 फीसदी और जनवरी 2022 में 6.01 फीसदी थी। खाद्य पदार्थों की महंगाई दर जनवरी में 5.94 फीसदी रही जो दिसंबर में 4.19 फीसदी थी। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई पर गौर करता है। केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।

अडाणी, टाटा, बिरला से भी कहीं ज्यादा कीमती है मेरा समय : बाबा रामदेव

पणजी । योग गुरु रामदेव ने कहा गौतम अडाणी, मुकेश अंबानी, रतन टाटा जैसे अरबपत्तियों की तुलना में उनका समय बहुत ही ज्यादा कीमती है। उन्होंने कहा कॉरपोरेट जगत के लोग अपना 99 फीसदी समय खुद के लिए व्यतीत करते हैं, जबकि साधु का समय सभी लोगों की भलाई के लिए होता है। उन्होंने कहा कि संत लोगों की भलाई के लिए अपना पूरा जीवन लगा देते हैं। पणजी में एक कार्यक्रम में बोलते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि वे जो तीन दिन यहां थे वह अंबानी और अडाणी जैसे अरबपति उद्योगपतियों के समय से भी अधिक मूल्यवान था। रामदेव मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक की मौजूदगी में अपने सहयोगी आचार्य बालकृष्ण के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि बालकृष्ण ने अपनी मेहनत, पारदर्शी प्रबंधन और जवाबदेही के कारण बीमार पतंजलि कंपनी को इस वित्तीय वर्ष में 40,000 करोड़ रुपए के कारोबार वाली फर्म के रूप में पुनर्जीवित किया है। उनका कहना था कि भारत को परम वैभवशाली बनाने के लिए पतंजलि जैसी फर्म की जरूरत है।

हिंडनबर्ग के झटके से उबरने में अडाणी समूह के शेयरों को उबरने में लगेगा समय

नई दिल्ली ।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडाणी समूह के शेयरों में शुरू हुआ गिरावट का सिलसिला फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है। अडाणी समूह के कुछ शेयर, तो ऐसे टूटे हैं कि उन्हें अपने 52 वीक के हाई लेवल को हासिल करने के लिए 400 फीसदी तक की रैली की जरूरत पड़ेगी। टूटते शेयरों की वजह से कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन घटा है। इस वजह से गौतम अडाणी के नेटवर्थ में भारी गिरावट आई है। कभी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स के पायदान पर काबिज होने वाले गौतम अडानी की संपत्ति अब 50 अरब डॉलर के नीचे आ गई है।

सोमवार को भी अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर सोमवार के कारोबार में 597.50 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस कीमत पर स्टॉक को 19 अप्रैल 2022 के 3,048 रुपये के अपने 52 वीक के हाई लेवल को फिर से हासिल करने के लिए 410 प्रतिशत की रैली की आवश्यकता है। अडाणी ट्रांसमिशन 875.05 रुपये के निचले स्तर पहुंचा है. अब इस स्टॉक को 16 सितंबर 2022 के अपने

52-सप्ताह के उच्च स्तर 4,238.55 रुपये पर पहुंचने के लिए 384 प्रतिशत की छलांग की जरूरत है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडाणी टोटल गैस के शेयर बुरी तरह से टूटे हैं। यह अपने सबसे लो लेवल 922.95 रुपए पर आ गया है। इस स्टॉक को अपने 52 वीक के हाई लेवल 3,998.35 रुपये तक पहुंचने के लिए 332 प्रतिशत की जोरदार छलांग लगाने की जरूरत है। अडाणी पोर्ट्स को 565.55 रुपये के स्तर से अपने 52 वीक के हाई लेवल पर पहुंचने के लिए 75 प्रतिशत की छलांग लगाने की जरूरत थी। इसका 52 वीक का हाई लेवल 987.90 रुपये है। आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी में अडानी समूह के कुछ शेयरों में म्युचुअल फंडों ने हिस्सेदारी कम कर दी थी। अडाणी एंटरप्राइजेज के मामले में म्यूचुअल फंडों ने 31 जनवरी को 1,16,54,223 शेयर या 1.02 प्रतिशत की कटौती की, जो 31 दिसंबर को 1,32,12,030 शेयर या 1.16 प्रतिशत थी। हिंडबनर्ग की रिपोर्ट के बाद से उनकी कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में भारी गिरावट आई। इस वजह से दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की लिस्ट में नीचे चले गए हैं। वह सोमवार को ब्लूमबर्ग बिलिनेयर लिस्ट में वह खिसककर 25वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अडाणी समूह को दिया जरूरत पड़ने पर और पैसा देने का भरोसा

नई दिल्ली ।

हाल के दिनों में भारी मुश्किल से घिरे अडाणी ग्रुप के लिए एक राहत भरी खबर है। अडाणी समूह के लिए यह राहत की खबर बैंक ऑफ बड़ौदा की तरफ से आई है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद मची हलचल के बीच बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा है कि वह अडाणी समूह को और पैसा उधार देने पर विचार करने के लिए तैयार है। ज्ञात हो कि हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर अकाउंटिंग फ्रॉड और शेयर प्राइस में हेरफेर करने का आरोप लगाया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव चड्ढा ने कहा है कि अगर अडानी ग्रुप, बैंक के अंडरराइटिंग स्टैंडर्ड्स को पूरा करता है तो बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रुप को और लोन देगा। उन्होंने कहा मैं अडानी स्टॉक्स में आ रही मार्केट वोलैटिलिटी को लेकर चिंतित नहीं हूं। चड्ढा ने एक इंटरव्यू में कहा आपके पास अंडरराइटिंग स्टैंडर्ड्स हैं। आप अच्छे वक्त के साथ-साथ बुरे समय में भी इनके साथ बने रहते हैं। हालांकि, उन्होंने अडाणी ग्रुप में बैंक के ओवरऑल एक्सपोजर के बारे में कुछ भी बताने से इनकार कर दिया है।

125 अरब डॉलर घट गई अडाणी समूह की मार्केट वैल्यू

बैंक ऑफ बड़ौदा, अडानी ग्रुप को उसके धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए लोन एक्सटेंड करने पर विचार करेगा। चड्ढा ने बताया कि ड्यू डिलिजेंस और कान्सन्ट्रैशन लिमिट पर विचार करने के बाद ही लोन एक्सटेंड किया जा

सकता है। इस महीने की शुरुआत में चड्ढा ने कहा था कि अडाणी ग्रुप में बैंक ऑफ बड़ौदा का एक्सपोजर रिजर्व बैंक के फ्रेमवर्क के तहत दी गई लिमिट का करीब एक चौथाई है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आने के बाद से अडाणी ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों की मार्केट वैल्यू में करीब 125 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है।

वित्त मंत्रालय की 22 फरवरी को बैंक प्रमुखों के साथ बैठक

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने 22 फरवरी को आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) की समीक्षा करने के लिए सरकारी बैंकों और चार निजी ऋणदाताओं के प्रमुखों की बैठक बुलाई है। ईसीएलजीएस को कोविड-19 से प्रभावित कारोबार क्षेत्र की मदद के लिए शुरू किया गया था। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में ईसीएलजीएस और कोरोना प्रभावित क्षेत्रों में ऋण गारंटी योजना (एलजीएससीएएस) में प्रगति की समीक्षा की जाएगी। वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ईसीएलजीएस और एलजीएससीएएस के 31 मार्च के बाद विस्तार के साथ-साथ इनसे संबंधित चुनौतियों पर भी चर्चा की जाएगी। ईसीएलजीएस की घोषणा मई, 2020 में कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तौर पर सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को मदद के उद्देशय से की गई थी। ईसीएलजीएस के लिए शुरुआत में कुल तीन लाख करोड़ रुपए की घोषणा की गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 4.5 लाख करोड़ कर दिया गया।

अडानी घटनाक्रम से भारत के प्रति वैश्विक निवेशकों का भरोसा नहीं डिगा हैः केपी सिंह

- वृद्धि मार्ग पर बने रहने के लिए अडानी समूह को अपने पूंजी आधार बढ़ाने और कर्ज को कम करने की जरूरत

नई दिल्ली।

अमेरिकी की शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद एक समय देश प्रमुख कारोबारी रहे गौतम अडानी के कारोबारी साम्राज्य में उथल-पुथल मची हुई है। हालांकि, रियल एस्टेट क्षेत्र के दिग्गज केपी सिंह का मानना है कि अडानी घटनाक्रम से भारत के प्रति वैश्विक निवेशकों का भरोसा नहीं डिगा है। उन्होंने इन चर्चाओं को भी खारिज कर दिया कि अडानी समूह को ऊपर के निर्देश के बाद बैंकों ने कर्ज दिया था। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वृद्धि के मार्ग पर बने रहने के लिए अडानी समूह को अपने पूंजी आधार को बढ़ाने और कर्ज को कम करने की जरूरत है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट 24 जनवरी को आई थी। उसके बाद से ही अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में जबर्दस्त बिकवाली का सिलसिला चल रहा है। डीएलएफ के मानद चेयरमैन केपी सिंह ने कहा कि यह केवल एक कॉरपोरेट समूह से संबंधित अस्थायी झटका है और इससे भारत के प्रति निवेशकों का भरोसा कम नहीं हुआ है। सिंह ने याद दिलाया कि कैसे जब डेढ़ दशक पहले उनकी रियल एस्टेट फर्म डीएलएफ आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ला रही थी, कनाडा की एक कंपनी ने एक रिपोर्ट लाने की धमकी दी थी। उन्होंने बताया, उस समय हमने कनाडा की कंपनी से कहा था कि उसे जो करना है वह करे। कुछ ब्लैकमेलर होते हैं, जो बड़ी शेयर बिक्री के समय रिपोर्ट लाते हैं। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट अडानी समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के 20,000 करोड़ रुपए के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) से ठीक पहले आई थी। अडानी-हिंडनबर्ग विवाद से क्या निवेश गंतव्य के रूप में भारत पर असर पड़ेगा, इस सवाल पर सिंह ने इसे बकवास बताया। उन्होंने कहा कि भारत काफी बड़ा देश है इसलिए यह 'कहानी' खत्म हो जाएगी।

निवेश पर असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक काफी समझदार व्यक्ति हैं और जब तक वे प्रधानमंत्री रहते हैं, भारत निवेश के लिए आकर्षक स्थल बना रहेगा।

सेब से लेकर हवाई अड्डा क्षेत्र में कार्यरत अडानी समूह ने इन आरोपों को दुर्भावनापूर्ण, निराधार और भारत पर सुनियोजित हमला कहा है।

अमीरों की सूची में 25वें पायदान पर पहुंचे गौतम अडानी

गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ गिरकर 49.1 अरब डॉलर रह गई

मुंबई ।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद से भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई और कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन घटकर करीब आधा हो गया। इस वजह से अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के टॉप-20 अमीरों की लिस्ट से बाहर हो गए। सोमवार को दुनिया के अमीरों की सूची में वे खिसककर 25वें पायदान पर पहुंच गए। गौतम अडानी 24 जनवरी तक दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति थे लेकिन हिंडबनर्ग की रिपोर्ट के बाद से उनकी कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में भारी गिरावट आई।

इस वजह से दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की लिस्ट में नीचे गिरते चले गए। अडानी ने पिछले साल फरवरी में भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया था और एशिया के सबसे अमीर और दुनिया में 10वें सबसे अमीर व्यक्ति बन थे। सितंबर 2022 में 155 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति के पायदान तक पहुंचे थे लेकिन इस साल जनवरी के आखिर में आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने गौतम अडानी को तगड़ा झटका दिया है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक गौतम अडानी कुल नेटवर्थ गिरकर 49.1अरब डॉलर रह गई है। पिछले सप्ताह मंगलवार को गौतम अडानी की कुल संपत्ति 52.4 अरब डॉलर थी। तीन कारोबारी दिनों में ही उनकी संपत्ति करीब 3 अरब डॉलर घटी है। गौतम अडानी की नेटवर्थ में गिरावट के चलते न केवल वे अरबपतियों की सूची में नीचे की ओर खिसकते जा रहे हैं, बल्कि उनके सिर से एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का ताज भी छिन चुका है।

दौलत के मामले में रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी अडानी से काफी आगे निकल चुके हैं।फ्रांस के उद्योगपति बर्नार्ड अर्नाल्ट लगातार पहले पायदान पर बने हुए हैं।

उनकी नेटवर्थ 192 अरब डॉलर है। वहीं सूची में दूसरे नंबर पर टेस्ला सीईओ एलन मस्क 187 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ काबिज हैं। दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति 121 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ अमेजन के जेफ बेजोस हैं।

हीरो मोटोकॉर्प इलेक्ट्रिक दोपहिया श्रृंखला का विस्तार करेगी

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी दोपहिया कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की अगले डेढ़ से दो साल में अपनी इलेक्ट्रिक दोपहिया श्रृंखला का विस्तार करने की योजना है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी का इरादा अपने विभिन्न खंडों के ग्राहकों की मांग को पूरा करने का है। कंपनी ने दिल्ली, बेंगलुरु और जयपुर में अपने विडा ब्रांड के इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री शुरू कर दी है। कंपनी का इरादा नए उत्पाद लाने से पहले अगले वित्त वर्ष में अपनी मौजूदा श्रृंखला का विस्तार करने का है। हीरो मोटोकॉर्प के इमर्जिंग मोबिलिटी बिजनेस यूनिट (ईएमबीयू) के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने विश्लेषकों के साथ बातचीत में कहा` कि हमने तीन शहरों में अपना उत्पाद उतारा है जहां ग्राहकों ने इनमें काफी रुचि दिखाई है। हमारा इरादा अगले वित्त वर्ष में कई और शहरों में जाने का है। हीरो मोटोकॉर्प ने विडा वी1 इलेक्ट्रिक स्कूटर पिछले साल अक्टूबर में उतारा था। इसे दो संस्करणों प्रो और प्लस में पेश किया गया था। कंपनी चित्तूर के आंध्र प्रदेश के संयंत्र में इलेक्ट्रिक स्कूटर का उत्पादन करती है। कंपनी इस बाजार में बजाज चेतक, टीवीएस आईक्यूब, एथर एनर्जी, हीरो इलेक्ट्रिक और ओला इलेक्ट्रिक को चुनौती दे रही है। श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में बाजार में इस नए ब्रांड को स्थापित कर पाई है। अगले वित्त वर्ष में हम और व्यापक बाजार में उतरेंगे।

देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार तेजी से बढ़ रहा है। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) के अनुसार, पिछले साल देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया की बिक्री 6,28,671 इकाई पर पहुंच गई। 2021 में यह आंकड़ा 1,55,422 इकाई था।

भारतीयों ने अप्रैल-दिसंबर में विदेश यात्रा पर खर्च किए 10 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारतीयों ने अप्रैल से दिसंबर के दौरान विदेश यात्रा पर करीब 10 अरब डॉलर खर्च किए है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। यह किसी भी वित्तीय वर्ष में भारतीयों द्वारा फॉरेन यात्रा पर सबसे अधिक खर्च है। इससे पहले वित्तीय वर्ष 2019-20 में विदेश यात्रा पर सबसे अधिक खर्च 7 अरब डॉलर था। आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीयों ने अकेले दिसंबर 2022 में ट्रेवल पर 1.137 अरब डॉलर खर्च किए। इसके साथ वित्तीय वर्ष 23 में दिसंबर तक भारतीयों द्वारा फॉरेन ट्रेवल पर खर्च कुल पैसा 9.947 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।वहीं, इसमें एज्युकेशन, गिफ्ट और इन्वेस्टमेंट पर खर्च की गई विदेशी मुद्रा को जोड़ा जाए, तो विदेश भेजा गया कुल धन 19.354 अरब डॉलर बनता है। हालांकि, जैसे-जैसे यात्रा पर खर्च बढ़ रहा है, भारतीय अब विदेश में रहने वाले अपने रिश्तेदारों पर कम खर्च कर रहे हैं। कुल विदेशी खर्च में रेमिटेंस की हिस्सेदारी फाइनेंशियल ईयर 2017-18 में 26 फीसदी से घटकर 2022-23 में 15 फीसदी

रह गई है। इक्विटी शेयरों में निवेश के लिए विदेश भेजा गया पैसा वित्त वर्ष 2017-18 से सालाना करीब 10 अरब डॉलर रहा है।

भारतीय क्रिकेट टीम ने प्रधानमंत्री संग्रहालय देखा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली जीत के बाद प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरान किया है। प्रधानमंत्री संग्रहालय में देश के सभी प्रधानमंत्रियों से जुड़ी जानकारियां और चीजें मौजूद हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक तस्वीर साझा की है। इसमें प्रधानमंत्री संग्रहालय में कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली सहित कई क्रिकेटर नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री संग्रहालय पिछले साल अप्रैल में आम जनता के लिये खोला गया था इसमें देश की आजादी के बाद से ही बने भारतीय प्रधानमंत्रियों के योगदान के बारे में जानकारी दी गयी है। बीसीसीआई ने अपने एक ट्वीट में कहा, ''संजोने के लिए एक यात्रा। टीम इंडिया ने प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा किया, जो भारत के प्रधानमंत्रियों को समर्पित एक अद्वितीय संग्रहालय है, जिसमें स्वतंत्रता के बाद भारत की यात्रा को दिखाया गया है।'' भारतीय टीम एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टेस्ट मैच खेलेगी।

आईएसएसएफ विश्व कप के दूसरे दिन भारत ने दो स्वर्ण पदक जीते

(एजेंसी)।

नर्मदा नितिन राजू और रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल की भारत की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित जोड़ी और रिदम सांगवान और वरुण तोमर की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम ने सोमवार को चल रहे आईएसएसएफ राइफल निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय राइफल टीम ने पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए स्वर्ण पदक प्ले-ऑफ में हंगरी के एज्टर डेन्स और इस्तवान पेनी को 16-6 से हरायाकांस्य पदक प्रतियोगिता में, लिसा मुलर और मैक्सिमिलियन डेलिंगर के जर्मन संयोजन ने स्विट्जरलैंड की नीना क्रिस्टन और क्रिस्टोफ डुएर को 16-12 से हरा दिया। इससे पहले पिस्टल स्पर्धा में 38 टीमों के क्वालीफिकेशन दौर में भारत (635.8) और हंगरी (631) ने क्रमशः शीर्ष दो स्थान हासिल कर प्लेऑफ में जगह बनाई थी। जबकि जर्मनी और स्विट्जरलैंड क्रमशः 629.7 और 628.9 के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर थे।10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम इवेंट में रिदम और वरुण तोमर की जोड़ी ने सर्बियाई जोराना अरुणोविक और दामिर माइकेक को 16-10 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में फ्रांस को 16-6 से हराकर जर्मनी तीसरे स्थान पर रहा।दिव्या सुब्बाराजू और सरबजोत सिंह की एक अन्य भारतीय टीम 577-14गुणा के क्वालीफाई स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहने के बाद पदक दौर से चूक गई।रिदम और वरुण ने 583-17 गुणा के साथ क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके बाद सर्बिया की टीम 582-21गुणा के साथ दूसरे स्थान पर रही और स्वर्ण पदक मैच के लिए क्वालीफाई किया। भारत ने अब तक प्रतियोगिता में तीन पदक (2 स्वर्ण और एक कांस्य) जीते हैं।

तीसरे टेस्ट में सचिन के एक रिकार्ड की बराबरी कर सकते हैं जडेजा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

टीम इंडिया के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के अगले मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल कर सकते है। जडेजा ने दो लगातार प्लेयर ऑफ द मैच जीतकर चेतेश्वर पुजारा के कुल 4 मैन ऑफ द मैच के खिताब की बराबरी की है। वहीं अगर वह तीसरे टेस्ट में भी शानदार प्रदर्शन बरकरार रखते हुए मैन ऑफ द मैच का रिकार्ड अपनने नाम करते हैं तो महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे। सचिन ने अपने करियर के दौर इस सीरीज में कुल 5 बार मैन ऑफ द मैच के खिताब जीते है। अब जडेजा के पास 1 मार्च से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में इस रिकार्ड की बरारबरी का अवसर है। जडेजा ने अब तक हुए दोनो ही मैचों में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर शानदार वापसी की है जिससे उनके लिए आगे भी बेहतर प्रदर्शन करना कठिन नहीं है। शुरुआती दो टेस्ट में 17 विकेट लेने के बाद जडेजा का मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम को आगाह भी किया है। जडेजा ने इंस्टाग्राम पर दूसरे टेस्ट की कुछ तस्वीरें शेयर की और लिखा, 'पूरी तरह से टीम वर्क, इंदौर के लिए तैयार हैं।' जडेजा ने लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी जीता है।

टेनिसः कार्लोस अल्कराज ने अर्जेंटीना ओपन का खिताब अपने नाम किया

(एजेंसी)

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण तीन महीने से अधिक समय तक कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था। अब अपने पहले सत्र की शुरुआत में ही अर्जेंटीना ओपन की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। अल्कराज ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मैं फाइनल खेलने में काफी सहज महसूस कर रहा था। मुझे पता था कि यह वास्तव में कठिन मुकाबला होने वाला था। मैंने इस बात पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया था कि मुझे शुरुआत में क्या करना है। यह वह स्तर है, जो मुझे फाइनल में खेलना था। अपने टूर्नामेंट की शुरुआत में, स्पैनियार्ड ने ग्रेट ब्रिटेन के कैमरुन नॉरी को 6-3, 7-5 से हराकर अपना सातवां एटीपी टूर खिताब और पिछले साल के यूएस ओपन के बाद पहला खिताब जीता। अल्कराज ने वर्ष की शुरुआत सबसे कम उम्र के विश्व नंबर 1 के रूप में की थी, लेकिन एक हैमस्ट्रिंग की चोट ने उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन से चूकने के लिए मजबूर कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप वह शीर्ष स्थान से खिसक गए। अब सर्बियाई महान नोवाक जोकोविच नंबर वन पर बने हुए हैं।

महिला टी20 विश्वकप : न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदें बरकरार रखीं

पार्ल ।(एजेंसी)

महिला टी20 विश्वकप में न्यूजीलैंड ने ग्रुप ए में श्रीलंका को 102 रनों से हराकर अपने सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाएं बनाये रखी हैं। वहीं इस हार से श्रीलंका की उम्मीदें समाप्त हो गयी हैं। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स के 56 और अमेलिया केर के 66 रनों की यहायता से कीवी टीम ने श्रीलंका को हराया। सूजी और अमेलिया ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इन दोनों की ही पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड टीम ने तीन विकेट पर 162 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम 15.5 ओवर में केवल 60 रनों पर ही आउट हो गयीं। अमेलिया ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया और सात रन देकर दो विकेट लिए जबकि लिया ताहुहु ने 12 रन देकर दो विकेट लिए।

श्रीलंका की ओर से इस मैच में कप्तान चामरी अटापट्टू ने 19 और मालशा शेहानी ने 10 रन बनाये जबकि बाकि खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पायीं। श्रीलंका की टूर्नामेंट में यह दूसरी बड़ी हार है और इसके साथ ही उसकी पांच टीम के ग्रुप से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद समाप्त हो गयी हैं। वहीं इस जीत से न्यूजीलैंड की टीम का रन औसत बढ़ा है और टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

संक्षिप्त समाचार

टीम भाग्यशाली है उसे विराट के बाद रोहित जैसा कप्तान मिला : द्रविड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने इस बात पर खुशी जतायी है कि टीम के पास विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने पर रोहित शर्मा जैसा सक्षम खिलाड़ी कमान संभालने के लिए तैयार था। द्रविड़ ने कहा 'टीम बहुत भाग्यशाली' है कि विराट के स्तर के खिलाड़ी से कप्तानी का जिम्मा संभालने के लिए रोहित जैसा क्षमतावान खिलाड़ी उसके पास था। द्रविड़ ने रोहित की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा कि उसका ड्रेसिंग रूम में सभी सम्मान करते हैं। द्रविड़ ने कहा, 'वह उन खिलाड़ियों में से हैं जो लंबे समय से टीम में है। इस तरह के व्यक्ति आमतौर पर ज्यादा नहीं बोलते हैं पर जब बोलते हैं तो सब उनकी बातें सुनते हैं।' उन्होंने कहा, 'वह ड्रेसिंग रूम और खिलाड़ियों की बहुत परवाह करते हैं। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि रोहित ने विराट जैसे किसी व्यक्ति से नेतृत्व संभाला है।' वहीं कप्तान रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दोनो ही मैचों में मिली शानदार जीत का श्रेय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन के शानदार प्रदर्शन को जाता है। इन दोनो ही गेंदबाजों के सामने ऑस्ट्रेलियाई टीम टिक नहीं पायी और उसे दोनो ही मैचों में करारी हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई कोच ने कहा, कुछ खिलाड़ी तय रणनीति के अनुसार नहीं चले

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने माना है कि उनकी टीम के बल्लेबाज भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में विफल रहे जबकि पिच में स्पिन को देखते हुए टीम ने पर्याप्त तैयारी की थी। मैकडोनाल्ड के अनुसार उनकी टीम अब तक की परीक्षा में विफल रही है। उन्होंने कहा कि दूसरे दिन टीम ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 61 रन बनाय थे पर तीसरे दिन कुछ ही घंटों में हालात पलट गये। इसके बाद टीम केवल 113 रन ही बना पायी। मैकडोनाल्ड ने कहा, ' तीसरे दिन हम भारत की परीक्षा में विफल रहे। कोच ने कहा कि बेंगलुरू में स्पिन की अनुकूल पिचों पर तैयारी शिविर से टीम ने पर्याप्त अभ्यास भी किया था पर कुछ खिलाड़ी तय रणनीत के अनुसार नहीं चले। यह नहीं कहा जा सकता है हमें तैयारी का अवसर नहीं मिला था। कोच ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम ने बेंगलुरू में काफी अच्छी तैयारी की थी, इसलिए इसे लेकर कोई बहाना नहीं बनाया जा सकता। ' कोच ने कहा कि कुछ खिलाड़ी रणनीति के अनुसार नहीं चले जिसका नुकसान उन्हें लगातार दूसरी हार के साथ झेलना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ी ऐसे भी थे जो स्पष्ट रूप से उस रणनीति से दूर चले गए जिसने उन्हें समय के साथ सफल बनाया। हमें इससे बेहतर होना है, यही सबसे अहम बात है, हमें इसे अपनाना होगा।' तीसरा टेस्ट एक मार्च से इंदौर में खेला जाएगा और फिट होने पर इसमें टीम तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और कैमरन ग्रीन को उतार सकती है।

राहुल को रन बनाने का तरीका स्वयं देखना होगा : रोहित

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने माना है कि बल्लेबाज लोकेश राहुल पिछले काफी समय से फार्म में नहीं हैं और इसको लेकर काफी बातें भी हो रही हैं। रोहित के अनुसार राहुल को रन बनाने का तरीका स्वयं तलाशना होगा क्योंकि हर खिलाड़ी का खेलने का अंदाज अलग होता है। रोहित ने कहा कि राहुल को धीमी उछाल लेती पिचों पर रन कैसे बनाने होंगे वह स्वयं देखना होगा। टीम में इस समय युवा बल्लेबाजी शुभमन गिल सहित कई अन्य खिलाड़ी भी अच्छे फार्म में हैं और जगह का दावा कर रहे हैं जिससे राहुल के लिए अपनी जगह बचाना कठिन हो रहा है। राहुल का औसत 47 टेस्ट के बाद भी 35 से कम का है जो कहीं से भी संतोषजनक नहीं कहा जा सकता।

राहुल ने पिछली 7 पारियों में 22, 23, 10, 2, 20, 17 और 1 रन बनाए हैं। रोहित ने कहा, 'जब आप इस तरह की पिचों पर खेल रहे होते हैं तो आपको रन बनाने के लिए अपना तरीका देखना होता है। हर बल्लेबाज के स्पिनरों के खिलाफ रन बनाने के तरीके अलग होते हैं। रोहित से जब राहुल को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'इस टीम में अलग अलग खिलाड़ी हैं और उनके रन बनाने के अलग अलग तरीके हैं। हम नहीं देखना चाहेंगे कि कोई खिलाड़ी कैसे रन बना रहा है क्योंकि यह अहम होता है कि हर कोई मिलकर रन बनाए। साथ ही कहा कि राहुल की योग्यता की उपक्षा नहीं की जा सकती। राहुल ही नहीं सभी खिलाड़ी की क्षमताओं को देखते हैं। जिसमें अधिक क्षमता होती है उसे ज्यादा अवसर मिलते हैं।

वहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने भी माना कि राहुल खराब दौर से गुजर रहे हैं पर कहा कि उनकी सलामी बल्लेबाज के रुप में जगह को लेकर वह कुछ नहीं बता सकते था। लेकिन कप्तान ने स्वीकार किया कि राहुल की मौजूदा फॉर्म के बारे में कुछ बातें हो रही हैं। पर कप्तान ने कहा कि राहुल की काबिलियत की अनदेखी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ समय से उसकी बल्लेबाजी पर काफी बातें हो रही है। लेकिन बतौर टीम प्रबंधन, हम सिर्फ केएल की नहीं बल्कि हर खिलाड़ी की काबिलियत देखते हैं। अगर कोई खिलाड़ी काबिल है तो उसे ज्यादा मौके मिलते हैं।

ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से नाराज हुए बॉर्डर

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खराब बल्लेबाजी के लिए टीम की आलोचना की है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भारतीय टीम के स्पिनरों का सामना नहीं कर पाये। बॉर्डर के अनुसार वह इस प्रकार के परिणाम से हैरान होने के साथ ही निराश भी हैं। बॉर्डर ने कहा, मैं निराश हूं, मैं हैरान हूं, जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की है। उससे मैं नाराज भी हूं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दूसरे टेस्ट में एक समय अच्छी स्थित में था, पहली पारी में प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाकर दूसरे दिन भारत ने सात विकेट पर 139 रन बनाये थे लेकिन अक्षर पटेल के 74 रन बनाकर मैच बदल दिया, जिससे मेहमान को पहली पारी में केवल एक रन की बढ़त मिल पायी। वहीं तीसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम 113 पर ही सिमट गयी। इस दौरान स्टीव स्मिथ, मैथ्यू रेनशॉ और कप्तान पैट कमिंस को भारतीय स्पिनरों के खिलाफ स्वीप शॉट खेलने का नुकसान अपने विकेट के रुप में उठाना पड़ा। इस पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, यह खराब बल्लेबाजी थी। किसी ने अच्छी बल्लेबाजी करने का प्रयास नहीं किया। वे केवल स्वीप और रिवर्स स्वीप खेलते हुए अपने विकेट गंवा रहे थे। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम की भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हासिल करने की उम्मीदें भी टूट गयी हैं।

पृथ्वी पर हमले के मामले में सपना और तीन अन्य आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गये

मुंबई । यहां की एक अदालत ने क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की कार पर हमले ओर उनसे बदसलूकी के मामले में सोशल मीडिया इन्फलुएंसर सपना गिल और तीन अन्य आरोपियों को 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सपना और अन्य आरोपियों को सोमवार को उनकी प्रारंभिक पुलिस रिमांड समाप्त होने पर एक मजिस्ट्रेट अदालत के सामने पेश किया गया था। पुलिस ने यह कहते हुए इनकी रिमांड बढ़ाने की मांग की थी कि अपराध में इस्तेमाल बेसबॉल बैट और गाड़ी का पता लगाने के लिए इनकी जरूरत है। अदालत ने हालांकि ये याचिका खारिज करऐ हुए आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं पुलिस ने इस मामले में दंगा भड़काने और जबरन वसूली के मूल आरोपों के अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 387 भी जोड़ी है। दूसरी ओर सपना गिल के वकील काशिफ अली खान ने अदालत में कहा कि केवल आरोपियों को परेशान करने के लिए ही ये अतिरिक्त धारा जोड़ी गयी है। गत बुधवार को मुंबई के में एक पांचसितार होटल के बाहर पृथ्वी से इन लोगों ने इसलिए बदसलूकी की थी क्योंकि क्रिकेटर ने सेल्फी खिंचाने से इंकार कर दिया।

सीनियर महिला हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिपः पंजाब, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु ने अपने-अपने मैच जीते

आंध्र प्रदेश, (एजेंसी)

13वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2023 के मैचों में हॉकी पंजाब, उत्तर प्रदेश हॉकी और तमिलनाडु की हॉकी टीम ने जीत दर्ज की। हॉकी पंजाब ने पूल एफ के मुकाबले में हॉकी हिमाचल को 2-0 से हराया। शालू मान (17, 58 मिनट) ने अपनी टीम को दो गोल से जीत दिलाई, जबकि सरबदीप कौर ने इस कड़े मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार अपने नाम किया। पूल ई में दूसरा मैच उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश हॉकी ने हॉकी आंध्र प्रदेश को 3-2 से हराया। प्लेयर ऑफ द मैच विनाम्रता यादव इस शो की स्टार रहीं, उन्होंने कोर्ट के हर कोने को कवर किया और हर तरफ अपना जादू बिखेरा। राखी राठौर (16 मिनट) और वर्तिका रावत (33, 59 मिनट) के गोलों से उत्तर प्रदेश हॉकी आगे बढ़ी, लेकिन लोलिता मैरी (39 मिनट) और गरलंका वरहालम्मा (47 मिनट) ने हॉकी आंध्र प्रदेश के स्कोर को बराबर कर दिया। हॉकी आंध्र प्रदेश ने खेल के अंत में एक पेनल्टी स्ट्रोक स्वीकार किया, जिसे उत्तर प्रदेश हॉकी की वर्तिका ने गोल में बदलकर हॉकी आंध्र प्रदेश को चौंका दिया। तमिलनाडु की हॉकी टीम ने पूल एच से दिन के आखिरी मैच में पुडुचेरी हॉकी के खिलाफ अपना मैच 3-0 से जीत लिया। तमिलनाडु की हॉकी टीम के गोलस्कोरर प्रियंगा एस (24 मिनट), जननी (49 मिनट) और प्लेयर ऑफ द मैच एस सोनिया (11 मिनट) थीं।

ऑस्ट्रेलिया टीम ने पुजारा को उपहार में दी जर्सी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यहां हुए दूसरे टेस्ट में अपने 100 टेस्ट पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को उपहार के तौर पर एक जर्सी सौंपी। इसपर सभी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के हस्ताक्षर हैं। पुजारा ने अपने 100 वें टेस्ट में नाबाद 31 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैच के बाद पुजारा को हस्ताक्ष वाली जर्सी उपहार में देकर खेल भावना को दिखाया है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में पिच को लेकर अभी तक काफी बातें हुई हैं। ऐसे में जब पुजारा से विकेट को लेकर पूछा गया कि पिच बल्लेबाजी करने के लिए कठिन थी। इस पर पुजारा ने कहा कि, नहीं, यह शुरुआत में होता है, आपको पिच की गति पहचानने की जरूरत होती है, कुछ गेंदें घूमती हैं, कुछ सीधी रह जाती हैं। एक बार जब आप जम जाएं और 30- 35 गेंदें खेल लें तो हालात आसान हो जाते हैं। उसके बाद आप पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने शॉट्स खेल सकते हैं।ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक हुए दोनो ही मैचों में भारतीय स्पिनरों का सामना करने में नाकाम रही है जिसे उसे दोने ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में आगे बढ़ता गुजरात

अहमदाबाद ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने एक और कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने अक्टूबर-2022 में राज्य में उद्योगों को आत्मनिर्भरता के लिए सहायता देने के लिए 'द आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम्स फॉर असिस्टेंस टू इंडस्ट्रीज' योजना घोषित की है। इस योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में सोमवार, 20 फरवरी को एक ही दिन में राज्य में विभिन्न स्थानों पर उद्योग शुरू करने के लिए निवेश के 18 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इन 18 विभिन्न एमओयू के परिणामस्वरूप राज्य में 9852 करोड़ रुपए का संभावित निवेश तथा 10,851 प्रस्तावित रोजगार के व्यापक अवसर पैदा होंगे। 9852 करोड़ रुपए के इन 18 एमओयू में से 5733 करोड़ रुपए के एमओयू विदेशी निवेशकों की भागीदारी से हुए हैं। तदनुसार, गार्डन सिल्क मिल्स प्रा. लिमिटेड के द्वारा सूरत की पलसाणा तहसील के झोलवा गांव में 2533 करोड़ रुपए के पूंजी निवेश के साथ पूरी तरह से तैयार यार्न, ड्रॉ टेक्सचराइज्ड यार्न, पॉलिएस्टर चिप्स/ पीईटी चिप्स के उत्पादन संयंत्र से 1450 लोगों को प्रस्तावित रोजगार के अवसर मिलेंगे। वहीं, एशियन पेंट्स भरूच जिले के दहेज में 2100 करोड़ रुपए के पूंजी निवेश से

वीएमवी का उत्पादन संयंत्र शुरू करेगा और इस संयंत्र के माध्यम से 350 लोगों को प्रस्तावित रोजगार प्राप्त होंगे। इसके अलावा, मैनकाइंड लाइफसाइंस प्रा. लिमिटेड वडोदरा में 1100 करोड़ रुपए का निवेश करेगी और उससे लगभग 1000 प्रस्तावित रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत की उपस्थिति में हुए इन विविध एमओयू के अंतर्गत उद्योग निवेशकों और राज्य सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग, केमिकल्स एंड एग्रोकेमिकल्स, फार्मास्युटिकल्स, फार्म इक्विपमेंट, हाइड्रोजन, और इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा सहित विभिन्न क्षेत्रों में एमओयू किए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर राज्य सरकार की 'द आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम्स फॉर असिस्टेंस टू इंडस्ट्रीज' योजना का समुचित लाभ और आवश्यक सहायता उद्योगों को प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने विश्वास जताया कि देश के ग्रोथ इंजन और औद्योगिक उत्पादन में 18 फीसदी का योगदान देने वाले गुजरात की यह योजना राज्य में विदेशी पूंजी निवेश सहित उद्योगों और निवेश को और भी ज्यादा आकर्षित करेगी। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के साथ विभिन्न औद्योगिक समूहों व निवेशकों द्वारा किए गए 18 एमओयू के परिणामस्वरूप वडोदरा में 3, अहमदाबाद के भायला में 2, साणंद में 2, भरूच के दहेज, सायखा और पालेज में कुल 4, सूरत के पलसाणा और सचिन में कुल 2, कच्छ में 1 और साबरकांठा के हिम्मतनगर में 2 उद्योग आगामी 2025 तक अपना उत्पादन कार्य शुरू करेंगे। इन निवेशों के चलते 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का विजन सुदृढ़ होगा। इतना ही नहीं, देश भर के लिए और अधिक प्रगति का मार्ग निर्धारित होगा तथा भारतीय समुदाय को सामूहिक रूप से आगे बढ़ने के साथ स्थानीय उत्पादनों को वैश्विक मंच पर ले जाने का अवसर मिलेगा। एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, उद्योग आयुक्त राहुल गुप्ता तथा वरिष्ठ अधिकारी और निवेशकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वीएमसी ने श्वान कर का फैसला वापस लिया, बजट सत्र में महापौर केयूर रोकडिया ने किया ऐलान

वडोदरा।

वडोदरा महानगर पालिका ने जारी वर्ष में पालतु श्वान पर कर लेना का फैसला किया गया, लेकिन इस योजना की बालमृत्यु हो गई है। वडोदरा महानगर पालिका की बजट सत्र में महापौर केयूर रोकडिया ने ऐलान किया कि पालतु श्वान पर कोई कर वसूला नहीं जाएगा। बता दें कि महानगर पालिका ने तीन वर्ष में प्रति श्वान रु. 1000 कर लेने का फैसला किया था। पिछले कई वर्षों से श्वान कर की आय नहीं होने के कारण इस रद्द करने का फैसला किया गया है। इस संदर्भ में कांग्रेस के नगर पार्षद बालु सुर्वे ने कहा कि बजट सत्र में मैंने पालतु श्वान पर कर लेने का फैसला रद्द करने की मांग की थी। महापौर ने पालतु श्वान पर कर रद्द करने का जो ऐलान किया है, वह स्वागतयोग्य है। बालु सुर्वे ने कहा कि वडोदरा शहर में आवारा श्वानों के आतंक पर भी लगाम लगाने की जरूरत है। गौरतलब है गुजरात में पहली बार वडोदरा महानगर पालिका ने पालतु श्वान पर कर वसूली का फैसला किया था। प्रति श्वान तीन वर्ष के लिए रु. 1000 की वसूली का महानगर पालिका ने आयोजन किया गया था। महानगर पालिका का अनुमान है कि वडोदरा शहर के 5 प्रतिशत आवासों में पालतु श्वान हैं। करीब 30 हजार श्वान के जरिए रु. 1 करोड़ की कर आय महानगर पालिका को हो सकती थी। शहर के विभिन्न क्लबों में 25000 श्वान पंजीकृत हैं। लेकिन महानगर पालिका ने श्वान पर कर वसूली का अपना फैसला वापस ले लिया है।

पीएम मोदी के नेतृत्व ने गुजरात को वनबंधु कल्याण जैसी आदिवासी समाज उत्थान योजनाओं की भेंट दी-मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आहवा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दीर्घदृष्टि नेतृत्व ने गुजरात को वनबंधु कल्याण जैसी आदिवासी समाज उत्थान योजनाओं की भेंट प्रदान कर गुजरात के आदिवासी समुदायों को मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने डांग ज़िले के आहवाना सेवाधाम में डॉ. अम्बेडकर वनवासी कल्याण ट्रस्ट द्वारा आयोजित च्प्राकृतिक संसाधन व्यवस्थापन तथा प्रकल्प कार्यावलोकनज्ज कार्यक्रम में उद्बोधन किया। मुख्यमंत्री ने ट्रस्ट की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की स्थिति में जल, भूमि और वन संरक्षण के कार्यों में पूरी सरकार उनके साथ है। समाज को स्वस्थ भोजन एवं पानी उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिलेट वर्ष मनाकर प्राकृतिक कृषि को भी वैश्विक ख्याति दिलाई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आदिवासी क्षेत्रों में विभिन्न विकास परियोजनाओं का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए संगठन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार डॉ. अम्बेडकर वनवासी ट्रस्ट की समाजोपयोगी गतिविधियों में छूटती हुई कड़ी के रूप में कार्य करेगी।

इस बीच डॉ. गजानन डांगे ने कहा कि अब समय आ गया है कि वन क्षेत्र के मिट्टी के क्षरण के साथ-साथ जल और वायु परिवर्तन और जंगल के घटते घनत्व के बारे में सभी साथ मिलकर चिंता करें। इस अवसर पर उद्बोधन देते हुए डॉ डांगे ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि लुप्त हो रहे धन-धान्य को प्राकृतिक खेती के नवीन प्रयोगों से को बचाया जा सकता है। डॉ. अम्बेडकर वनवासी कल्याण ट्रस्ट द्वारा सेवाधाम के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक एवं स्वास्थ्य परियोजनाओं के साथ-साथ सामाजिक एवं स्वावलंबन कार्यों का संचालन किया जा रहा है। जिसके भागरूप ह्रक्रू परियोजना कार्यावलोकन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सहित महानुभावों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गुजरात के पूर्व राज्यपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश कोहली का निधन

अहमदाबाद।

गुजरात के पूर्व राज्यपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश कोहली का 8। वर्ष की आयु में निधन हो गया है। इस खबर से राजनीतिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री समेत नेता ओमप्रकाश कोहली को सोशल मीडिया के माध्यम से श्रद्धाजंलि अर्पित की है। 9 अगस्त 1935 में दिल्ली जन्मे ओमप्रकाश कोहली ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी से उन्होंने हिन्दी में अनुस्नातक पूर्ण किया। वे दिल्ली यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की मुख्य जिम्मेदारियां निभाई थीं। 3। वर्ष से भी अधिक समय तक दिल्ली की हंसराज कॉलेज और देशबंधु कॉलेज में बतौर लेक्चरर सेवा दी। ओमप्रकाश कोहली शिक्षाशास्त्री, राजनेता और एक लेखक भी थे। उन्होंने 'ऑन द फ्रंट ऑफ नेशनल सिक्युरिटी', 'एज्यूकेशन पॉलिसी', और 'भक्तिकाल के संतों की सामाजिक चेतना' इत्यादि पुस्तक भी लिखे थे। वर्ष 1999 से 2000 के दौरान ओमप्रकाश कोहली भाजपा दिल्ली इकाई के अध्यक्ष नियुक्त किए गए थे। आपातकाल के दौरान एमआईएसए के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया था। ओमप्रकाश कोहली ने भारतीय लोकतंत्र के उच्च सदन राज्यसभा के पूर्व सदस्य और गुजरात के राज्यपाल रहे। ओमप्रकाश कोहली वर्ष 1994 से 2000 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। ओमप्रकाश कोहली 1। जुलाई 2014 से 1। जुलाई 2019 तक गुजरात के राज्यपाल रहे।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्य के पूर्व राज्यपाल ओमप्रकाश कोहली के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें सरल व्यक्तित्व एवं शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके स्वजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति दे। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने ट्वीट कर गुजरात के पूर्व राज्यपाल के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

हर्ष संघवी ने ट्वीट में लिखा 'गुजरात के पूर्व राज्यपाल व भाजपा के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश कोहली के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनका समर्पण और सेवाभाव लोगों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा।'

शारदा इंग्लिश अकादमी स्कूल द्वारा शारदा म्यूजिकल फेस्ट-2023 का आयोजन हुआ

सूरत।

शारदा इंग्लिश अकादमी स्कूल प्रबंधन हमेशा नए आयामों के माध्यम से छात्रों और अभिभावकों और शिक्षकों का पोषण और मार्गदर्शन करने का काम करता है। शारदा म्यूजिकल फेस्ट-2023 का आयोजन संजीवकुमार ऑडिटोरियम पाल अदजान में विद्यार्थियों में छुपी विभिन्न प्रतिभाओं को सामने लाने और उनकी प्रतिभा को मंच पर प्रदर्शित करने के लिए किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने मंच पर पुराने व नए फिल्मी गीत, गुजराती गीत, प्रार्थना, गजल आदि प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम में कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लग गए, गुजरात राज्य के माननीय शिक्षा मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया उपस्थित थे और छात्रों और अभिभावकों को संबोधित किया, अन्य अतिथि समाज श्रेष्ठश्री कांजीभाई भल्लाला साहब थे जिन्हें राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया था। स्कूल प्रबंधन द्वारा सम्मानित किए गए प्रेसिडेंट, जिन्होंने छात्रों को एक प्रेरणादायक व्याख्यान के माध्यम से सम्मानित किया कि उनकी प्रतिभा आगे चलकर विश्व पटल पर नाम रोशन करेगी। अन्य अतिथि श्री अमिताबेन वनानी डीसीपी ट्रैफिक शाखा सूरत एवं स्वनिर्भर स्कूल प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष श्री बाबूभाई रादडिया एवं सूरत शहर आचार्य संघ की अध्यक्ष श्रीमती रीताबेन फुलवाला भी उपस्थित थे और उन्होंने सभी आयोजकों को बधाई दी।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के अध्यक्ष श्री झीनाभाई खेणी साहिब, उपाध्यक्ष श्री हर्षदभाई मावानी, मंत्री श्री साजीभाई पटेल, प्रबंधक श्री जैमिनभाई पटेल व दोनों माध्यमों के प्राचार्य श्री तया उपायार्यश्री व एच.डी. व समस्त स्टाफ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी छात्रों और अभिभावकों और ओर्फेट्रा के सभी कलाकारों, स्कूल प्रबंधक ने सभी कार्यक्रम को धन्यवाद दिया। विधिबेन पटेल, मिताक्षीबेन पटेल, रोहितभाई प्रजापति और मुकेशभाई सोलंकी और सभी नेताओं को बधाई जिन्होंने इसे सफल बनाया।

तीन दिवसीय श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम फाल्गुन महोत्सव 2 मार्च से आयोजित होगा

सूरत,

वेसु में वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में रंग-रंगीले फाल्गुन माह के उपलक्ष में तीन दिवसीय फाल्गुन मेले का आयोजन दो मार्च से श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा किया जायेगा । इस मौके पर मंदिर को दुल्हन की तरह रंग-बिरंगी रौशनी से सजाया जायेगा एवं बाबा श्याम, सालासर दरबार एवं शिव परिवार का आलौकिक श्रृंगार किया जायेगा । इस मौके पर बाबा श्याम को छप्पन भोग का प्रसाद परोसा जायेगा, जिसका वितरण भक्तों को किया जायेगा ।

ट्रस्ट के अध्यक्ष रामप्रकाश रूंगटा एवं सचिव विनोद कानोडिया ने बताया की आयोजन में दो मार्च गुरुवार को मंदिर प्रांगण पर शाम पांच बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा, जिसमे स्थानीय गायक कलाकार के अलावा कोलकाता से आमंत्रित गायक कलाकार विवेक शर्मा (जीतू) भजनों की प्रस्तुति देंगे एवं एकादशी के अवसर पर 3 मार्च, शुक्रवार को शाम पांच से आयोजित भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकारों के अलावा कोलकाता से आमंत्रित गायक कलाकार जयशंकर चौधरी भजनों की प्रस्तुति देंगे । फाल्गुन उत्सव में चार मार्च, शनिवार को शाम छः बजे से राजस्थानी कलाकारों द्वारा चंग धमाल पर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी ।

फाल्गुन महोत्सव के संयोजक योगेश झाखलिया एवं मुकेश गाड़ोदिया ने बताया की इस खास मौके पर 3 मार्च, शुक्रवार को मंदिर के पट सम्पूर्ण रात्रि खुले रहेंगे । चार मार्च, शनिवार को द्वादशी के उपलक्ष में मंदिर प्रांगण में सुबह आठ बजे से भक्तों द्वारा जात-जडूला किया जायेगा एवं बाबा श्याम को धोक लगाई जायेगी । द्वादशी के उपलक्ष में बाबा श्याम को खीर-चूरमा का भोग लगाया जायेगा एवं भक्तों को वितरित किया जायेगा । इस अवसर पर मंदिर के पट सम्पूर्ण

दिन खुले रहेंगें । श्याम मंदिर पर आयोजित फाल्गुन मेले में सूरत ही नहीं अपितु सूरत के आस-पास के भक्त भी बाबा के दर्शन करने के लिए सुरतधाम आयेंगें ।

हजारों निशान चढ़ेंगे - फाल्गुन महोत्सव के संयोजक प्रदीप अग्रवाल एवं कमल टांटनवाला ने बताया की फाल्गुन मेले के उपलक्ष में एकादशी 3 मार्च को सूरत की अनेकों धार्मिक संस्थाओं, सोसायटियों एवं परिवारों द्वारा निशान यात्रा का आयोजन सूरत शहर में किया जायेगा । सभी निशान यात्रा में शामिल भक्त यात्रा के साथ श्याम मंदिर आयेंगें एवं बाबा को निशान अर्पण करेंगे । इस मौके पर करीबन तीस हज़ार से ज्यादा भक्त बाबा श्याम को निशान अर्पण करेंगें । श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा सभी भक्तों की सुविधा के लिए अनेकों व्यवस्थाएं की गयी है ।

रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए तीन रेल कर्मचारी सम्मानित

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के तीन रेल कर्मचारियों को सतर्कता एवं सजगता से रेल संरक्षा (सेफ्टी) में बेहतरीन कार्य करने के लिए मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी राकेश कुमार खराड़ी के अनुसार पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों द्वारा किए गये उत्कृष्ट कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

1. इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारी को 17 जनवरी 2023 को हेमंत कुमार, ट्रेक मेन-गांधीधाम (पूर्व) पेट्रोलमेन के रूप कार्यरत थे7 चिरई यार्ड में पेट्रोलिंग के दौरान करीब 00:15 बजे उन्होने किमी 773/0-1 पर जाइंट में फ्रेक्चर देखा7 उन्होने रेल ट्रेक की सुरक्षा की और अपने पर्यवेक्षक को इस घटना के बारे में सूचित किया

2. परिचालन विभाग के कर्मचारी को 16 जनवरी 2023 को जगदीश एम. ठाकोर, पॉइंट्स मैन-कटोसन रोड 19:00 से 07:00 बजे की शिफ्ट मे कटोसन रोड स्टेशन के समपार फाटक संख्या-28 पर कार्यरत थे। उपरोक्त दिन को अपने कार्य के दौरान उन्होंने यार्ड में गाय को देखा तो उसे वहा से भगाने गए उस समय उन्होने देखा की किलोमीटर संख्या 26/2-3 के बीच रेल फ्रैक्चर है, जो कि संरक्षा की दृष्टि से सही नहीं है। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए बिना विलंब किए कार्यरत स्टेशन मास्टर कटोसन रोड को इसकी सूचना दी ।

3. परिचालन विभाग के कर्मचारी को 06 दिसंबर 2022 को सुधाकर पंडित, गुड्स ट्रेन मैनेजर-गाँधीधाम ने न्यूपालनपुर में 19-00 बजे कार्यभार ग्रहण किया गाडी संख्या KIIP/ MDCC/CONT (LOCO No.49220) BPC No. 50000475711 का न्यूपालनपुर में आगमन 19:45 बजे हुआ । उन्होंने गाडी का चार्ज लेते समय गाडी को चैक करने पर पाया कि ब्रेकवान से 10वे वैगन संख्या BLCAM 61370900840 के एक्सल बॉक्स के तीन में से दो स्टेड नट बोल्ट गायब है, जो कि गाडी के संरक्षित संचालन के लिए सुरक्षित नहीं है । उन्होंने त्वरीत कार्यवाही करते हुए इस संबंध मे स्टेशन मास्टर व क्रू कंट्रोलर अहमदाबाद सूचित किया । उपरोक्त वैगन को ट्रेन से हटाया गया।

डीआरएम जैन ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले रेल कर्मियों को बधाई देते हुए उन्हे संरक्षा से जुड़े सभी नियमों का पूरी तरह पालन करने तथा अपनी सूझबूझ और मुस्तैदी से किसी भी प्रकार का रेल हादसा रोकने के लिए जरूरी मार्गदर्शन भी दिया।

उड़ीसा से अहमदाबाद में ट्रक द्वारा ले जाते हुए 573 किलो गांजे हुए जब्त

वापी, सूरत। पुलिस आयुक्त श्री अजय कुमार तोमर साहिब सूरत शहर और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पीयूष पटेल साहिब, सूरत संभाग सूरत और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शरद सिंघल साहिब और पुलिस अधीक्षक श्री राहुल पटेल साहिब और पुलिस उपायुक्त श्री रूपल सोलंकी साहिब क्राइम ब्रांच नाओ नशीले पदार्थों के अपराध को पूरी तरह से खत्म करने और अन्य राज्यों से गुजरात में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने और गुजरात के युवाओं को नशे के अंधेरे में धकेलने वाले लोगो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए, कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए इसी दौरान क्राइम ब्रांच के पीएसआई एमडी महिडा नाओ को दिनांक 18/02/2023 को सूचना मिली कि 'टाटा ट्रक क्रमांक पीबी-02-बीएन-9566 उड़ीसा से भांग लाद कर हैदराबाद जा रहा है.' अहमदाबाद से महाराष्ट्र के उच्छल चेक पोस्ट से नवापुर, आदि पुलिस आयुक्त सूरत शहर और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सूरत संभाग, सूरत ने सूचना के आधार पर एक संयुक्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक, तापी एवं पुलिस उपायुक्त, अपराध सूरत शहर, अपराध शाखा एवं तापी जिला के मार्गदर्शन में एस.ओ.जी. पी.आई. उड़ीसा राज्य से गुजरात राज्य में ट्रकों में अवैध रूप से तस्करी करने के लिए वाईएस शिरसाथ और पीएसआईजेबी अहीर और टीमों ने गुजरात सीमा पर उच्चल पुलिस स्टेशन के बेदकिनाका चेक पोस्ट पर एक संयुक्त अभियान चलाया।गांजा की मात्रा में तेजी लाने में सफलता मिली है। सदर कार्रवाई के दौरान कुल 573 किलो गांजे की कीमत रु. इस ऑपरेशन के दौरान कुल तीन अभियुक्तों का नाम (1)

अवतारसिंह लखविन्दरसिंह संधू निवासी चिंदानो, पाना लोपोगी, जिला अजनाला, अमृतसर (पंजाब) (2) गुरजीतसिंह मंगलसिंह साहे, निवासी आसरापुर गांव, पो.बेहरवाल, थाना-लोपोगी, डी.टी. . अजनाला, जी.अमृतसर (पंजाब) (3) किशनसिंह दलजीतसिंह सोनीपंदर, ग्राम सवाईपुर, पोस्ट ऑफिस के पास, याना और ता. सतरायण, जी.तरंतरा (पंजाब) नाओ गांजे की मात्रा के साथ गिरफ्तार किया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)